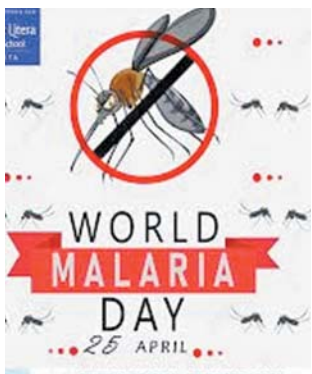

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

.वर्ष 54/ अंक 258/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10
संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल
■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 भोपाल से प्रकाशित
dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

राष्ट्रपति मुर्मू पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने वेटिकन सिटी रवाना

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस सप्ताह के अंत में किए जाने वाले पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए शुक्रवार को वेटिकन सिटी रवाना हुईं। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच

'एक्स' के जरिए बताया कि मुर्मू के साथ केंद्रीय संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू, अल्पसंख्यक मामलों एवं मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा भी शामिल हैं। बता दें पोप फ्रांसिस पिछले लगभग 1,300 वर्षों में पहले गैर-यूरोपीय पोप थे। उनका ईस्टर सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। मुर्मू शुक्रवार 25 अप्रैल को वेटिकन सिटी में सेंट पीटर के बेसिलिका में पुष्पांजलि अर्पित कर पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि देंगी। विदेश मंत्रालय ने कहा, 26 अप्रैल को राष्ट्रपति वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स स्क्वायर में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। अंतिम संस्कार में दुनिया भर के गणमान्य लोग शामिल होंगे। भारत ने पोप फ्रांसिस के निधन पर तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की है।

भारत बन सकता है यूएस से डील करने वाला पहला देश, टैरिफ को लेकर अमेरिका का बड़ा ऐलान

वॉशिंगटन। अमेरिका की ओर से टैरिफ ऐलान के बाद कई देश अमेरिका से व्यापार को लेकर चर्चा कर रहे हैं, लेकिन अब खबर आ रही है कि यूएस से व्यापार समझौता करने वाला पहला देश भारत बन सकता है। एक खबर के अनुसार अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ से बचने के लिए पहला द्विपक्षीय व्यापार सौदा करेगा। अमेरिका को भारतीय निर्यात पर 26 प्रतिशत

पारस्परिक टैरिफ वर्तमान में 90 दिन के लिए रोक दिया गया है, जो 8 जुलाई को समाप्त होने वाला है। हालांकि, अन्य देशों की तरह, भारत मौजूदा पॉलिसी के तहत 10 प्रतिशत टैरिफ के अधीन है। बेसेंट ने बुधवर को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता सफलता पूर्वक पूरा होने के करीब है। क्योंकि भारत पर इतना ज्यादा टैरिफ लागू नहीं है। वर्ल्ड बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की सालाना बैठक के मौके पर आयोजित डीसी कार्यक्रम में बेसेंट ने कहा, भारत में व्यापार बांधा भी कम हैं। जाहिर है मुद्रा में कोई हेरफेर नहीं है, सरकारी सब्सिडी भी बहुत कम है, इसलिए भारत के साथ समझौता करना बहुत आसान है। खबर के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप ने मांग की है कि अन्य देश अमेरिकी वस्तुओं पर अपने टैरिफ और नॉन-टैरिफ रुकावट को खत्म करें। साथ ही अमेरिकी व्यापार घाटे को भी खत्म करें।

धर्म पूछकर हिंदू हत्या नहीं कर सकते, इन असुरों का नाश जरुरी: मोहन भागवत

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई में मास्टर दीनानाथ मंगेशकर की 83वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम में के संबोधन में पहलगाम हमले पर शोक और गुस्सा व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि अभी जो लड़ाई चल रही है, वह संप्रदायों और धर्मों के बीच नहीं है. इसका आधार संप्रदाय और धर्म है, बल्कि यह लड़ाई 'धर्म' और 'अधर्म' के बीच है। हमारे सैनिकों या हमारे लोगों ने कभी किसी को उसका धर्म पूछकर नहीं मारा, जो कट्टरपंथी लोगों ने लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा, हिंदू ऐसा कभी नहीं करेंगे।

उन्होंने कहा कि जब हम आपसी मतभेदों में रहते हैं, तो समाज में खाई बढ़ती जाती है। जब हम एकता के सिद्धांत का पालन करते हैं, तो हम में अपनेपन की भावना बढ़ती है। विश्व में केवल एक ही धर्म है और वह है मानवता। इसे ही हम हिंदुत्व कहते ह। इस हमले पर प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार गुस्सा भी है और आशा भी। हम सबने देखा कि परसों पहलगाम में क्या हुआ? आतंकवादी हमले में पर्यटकों को धर्म पूछकर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। लेकिन, कोई हिंदू ऐसा कभी नहीं करेगा। यदि हम सब एक होते तो कोई भी हमें नीची नजर से नहीं देखता।

धर्म-अधर्म के बीच लड़ाई- डॉ. मोहन भागवत ने कहा, 'लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच है। कल उन्होंने धर्म पूछकर लोगों को मार डाला। पर एक हिंदू ऐसा कभी नहीं करेगा। हमारे हृदय में शोक है. हमारे हृदय में क्रोध है। अगर राक्षसों से मुक्ति पाना है, तो आठ भुजाओं की शक्ति होनी चाहिए। रावण अपने मन और बुद्धि को बदलने के लिए तैयार नहीं था। कोई और उपाय नहीं था।

जवाबी एक्शन की दहशत के बीच पाकिस्तान पर सात बड़े 'हमले'

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सात कदम उठाए हैं। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। सरकार ने हमले के सीमा-पार संबंधों पर चर्चा करने के बाद पांच कदमों की घोषणा की थी। इसके बाद दो और कदम उठाए गए।

- सबसे पहले भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सरकार ने कहा कि जब तक पाकिस्तान सीमा-पार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं कर देता, तब तक यह संधि निलंबित रहेगी।
- अटारी एकीकृत चेक पोस्ट बुधवार को ही बंद कर दी गई। जिन लोगों ने अनुमोदन के साथ सीमा पार की है, उन्हें 1 मई से पहले उस रास्ते से लौटने की अनुमति है।
- सरकार ने अब पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) वीजा के तहत भारत आने की अनुमति नहीं दी है। पाकिस्तानी नागरिकों को पहले जारी किए गए एसवीईएस वीजा रद्द कर दिए गए हैं। एसवीईएस वीजा रखने वाले सभी पाकिस्तानियों को 48 घंटे में भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।
- नई दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित घोषित कर दिया गया और उन्हें देश छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया। भारत ने यह भी घोषणा की कि वह इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा कर्मचारियों को वापस बुलाएगा।
- भारत ने कहा कि वह 1 मई तक और कटौती करके उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर देगा।
- सरकार ने बीते दिन पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। इसने सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने को कहा। हालांकि, जिनके पास मेडिकल वीजा है वे केवल 29 अप्रैल तक ही रह सकते हैं।
- सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब के अटारी, हुसैनीवाला और सादकी में रिट्रीट समारोह के दौरान औपचारिक प्रदर्शन को कम करने का एक सुनियोजित निर्णय लिया। प्रमुख बदलावों में भारतीय गार्ड कमांडर और समकक्ष गार्ड कमांडर के बीच प्रतीकात्मक हाथ मिलाने की प्रक्रिया को निलंबित करना भी शामिल है। समारोह के दौरान गेट बंद रहेंगे। बीएसएफ ने कहा कि यह कदम सीमा पार दुश्मनी पर भारत की गंभीर चिंता को दर्शाता है। शांति और उकसावे एक साथ नहीं रह सकते।

अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों से कहा

पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेजो, घाटी पहुंचे आर्मी चीफ

त्राल-अनंतनाग में 2 लश्कर आतंकियों के घर ब्लास्ट में ढहे

पहलगाम/नई दिल्ली। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार दोपहर सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें वापस भेजें।

इस बीच आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंचे, यहां उन्होंने एलजी मनोज सिन्हा से मुलाकात की। इसके बाद जनरल द्विवेदी बैसरन घाटी पहुंचे हैं, जहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने हमला किया था।

हमले के 3 दिन बाद सेना ने बड़ा एक्शन लिया। जम्मू-कश्मीर के त्राल और अनंतनाग के बिजबेहरा में 2 लश्कर आतंकियों के यहां सर्च ऑपरेशन चलाया। ऑपरेशन के दौरान दोनों के घरों में रखा एक्सप्लोसिव ब्लास्ट हो गया। धमाके में आसिफ शेख और आदिल ठोकेर के घर पूरी तरह तबाह हो गए।

इधर, बांदीपोरा में सर्च ऑपरेशन के दौरान शुरू हुए एनकांटर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी को मार गिराया है। 2 जवान भी घायल हैं। पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल की दोपहर आतंकवादियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। 10 से ज्यादा घायल हैं।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से कहा है कि पहलगाम हमले के दोषियों को सजा दिलाई जाए और आतंकवाद के ढांचे व उसके नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जाए।

सिंधु जल संधि को लेकर आज अमित शाह के आवास पर बड़ी बैठक, कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री होंगे शामिल

पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत सरकार लगातार एक्शन मोड में है. सरकार ने भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया है. इसे लेकर आज गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर एक अहम बैठक होगी. बैठक में जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल समेत कई वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों के शामिल होने की संभावना है.

मप्र में हर परिवार के एक सदस्य को मिलेगा रोजगार, मुख्यमंत्री ने अफसरों को दिए निर्देश

भोपाल। मध्यप्रदेश में रोजगार की स्थिति को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग (एमएसएमई) की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के हर परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को रोजगार या स्वरोजगार का अवसर मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विकास की अपार संभावनाएं हैं और हर क्षेत्र में उम्मीदों का एक नया दौर शुरू हो सकता है, लेकिन इसके लिए जमीनी स्तर पर काम करने की जरूरत है।

MSME सेक्टर में रफ्तार, 17 लाख इकाइयां, 92 लाख रोजगार- स्वस्थ्य के तहत अब तक प्रदेश में 55 हजार करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है, जिससे 17 लाख 55 हजार पंजीकृत इकाइयां चल रही हैं और ये इकाइयां 92 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रही हैं।

इसके साथ ही 5300 स्टार्ट-अप्स भी काम कर रहे हैं, जिनमें से 2500 से अधिक के संचालन का नेतृत्व महिलाएं कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निवेशकों को लैंड बैंक से जुड़ी जानकारी देने का निर्देश भी दिया। 1 मई से 1100 से अधिक प्लॉट आवंटन के लिए उपलब्ध होंगे।

व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार, रतलाम से होगी शुरुआत- सीएम ने बैठक में यह भी कहा कि हर जिले की विशेष परिस्थितियों और दक्षताओं के अनुसार

व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार करना होगा। उन्होंने सूक्ष्म उद्योगों जैसे तेल घानी, मसाला-आटा चक्की, कोदो-कुटकी और अन्य मिलेट प्रसंस्करण इकाइयों के जरिए युवाओं को रोजगार देने की बात की।

यह कदम रतलाम से शुरू होगा, जहां कृषि उपज मंडियों को आधुनिक स्वरूप देने की योजना बनाई जा रही है, ताकि दूध, सब्जियों और अन्य उत्पादों को बेहतर तरीके से संजोया जा सके।

MSME के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का 7वां स्थान, लक्ष्य है टॉप 5 में जगह बनाना- एमएसएमई के विकास में मध्यप्रदेश ने देशभर में 7वां स्थान प्राप्त किया है, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अगले साल तक इस स्थिति में सुधार करना है और प्रदेश को श्रेष्ठतम राज्यों में शामिल करना है। इसके लिए आगामी वर्ष 2025 को 'उद्योग और रोजगार वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंडिया टूडे कांक्लेव के भोपाल में आयोजित स्टेट फर्स्ट कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री मोहन यादव से गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी ने भेंट की।

कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक विश्वास सारंग ने मेप देखा। राजधानी के सुलभ यातायात के लिए नरेला विधानसभा स्थित सुभाष नगर रेलवे ओवर ब्रिज में थर्ड लेग जो 242 मीटर स्पॉन के एक्टेंशन का बनेगा इसमे करीब साढ़े 22 करोड़ रुपए की लागत से होगा निर्माण।

बीजापुर में 5000 जवानों ने नक्सलियों को घेरा!

बीजापुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के उसूर इलाके में फोर्स ने दो दिन पहले कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर टॉप नक्सल लीडर के जमावड़े की सूचना पर एक बड़ा ऑपरेशन लांच किया है। बताया जा रहा है कि यह इस साल की अब तक सबसे बड़ी मुठभेड़ होने वाली है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि 70 वर्ग किमी की पहाड़ी पर बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं।

हिड़मा समेत टॉप नक्सल लीडर घिरे: कहा जा रहा है कि उनके पास पहाड़ पर बने रहने के लिए सीमित राशन है और फोर्स के पास लगातार हेलीकॉप्टर से रसद पहुंचाई जा रही है। इससे स्पष्ट है कि फोर्स यहां निर्णायक लड़ाई की तैयारी के साथ डटी हुई है। गुरुवार शाम तक बीजापुर एसपी ने इस मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि भी कर दी है। उनके शव मिल चुके हैं। शवों की शिनाख्त की प्रक्रिया चल रही है। पहाड़ को तीन राज्यों की फोर्स ने दो दिन से घेर रखा है।

ब्रिटेन की संसद में गूंजा पहलगाम आतंकी हमले का मुद्दा, पीड़ितों को दी गई श्रद्धांजलि

● आतंकियों को कटघरे में लाने की मांग

लंदन। ब्रिटेन के सांसदों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की है। स्लॉ से ब्रिटेन के सांसद तनमनजीत सिंह धेसी ने उम्मीद जताई कि हमले के पीछे के अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। संसद में धेसी ने नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले पर दुख जताया और कहा कि वह पीड़ितों के परिवारों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई है। ब्रिटेन के सांसद तनमनजीत सिंह धेसी कहा कि हम इस सप्ताह पोप फ्रांसिस के दुखद निधन का शोक मना रहे हैं, लेकिन मैं इस सप्ताह जम्मू और कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों पर कायरतापूर्ण, घातक, चौंकाने वाले आतंकवादी हमले से भी बहुत दुखी हूं। पीड़ितों के परिवार मेरी प्रार्थनाओं में हैं, और मुझे पूरी उम्मीद है कि अपराधियों को जल्द ही न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया - ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स की नेता लूसी पॉवेल ने पहलगाम में हुए हमले को कायरतापूर्ण कृत्य बताया और कहा कि ब्रिटेन सरकार की संवेदनाएं इससे प्रभावित लोगों के साथ हैं, विशेषकर उन लोगों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। संसद में पॉवेल ने कहा कि कश्मीर में हुए इस भयावह आतंकवादी हमले की भयावहता अत्यंत विनाशकारी थी और जैसा कि उन्होंने कहा, यह एक कायरतापूर्ण कृत्य था और मेरी तथा पूरी सरकार की संवेदनाएं प्रभावित लोगों के साथ हैं, विशेषकर उन लोगों के साथ जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के पीड़ितों को याद करने के लिए इंडिया हाउस में एक गंभीर स्मृति समारोह आयोजित किया।

उग्रवाद के खिलाफ एकजुट होने पर जोर

इस अवसर पर संसदीय मामलों के राज्य मंत्री एल. मुरुगन, महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, यू.के. के सांसद बॉब ब्लैकमैन और कई अन्य यू.के. सांसदों सहित कई विशिष्ट अतिथि अपनी संवेदना और समर्थन व्यक्त करने के लिए एकत्रित हुए। यू.के. के सांसदों की उपस्थिति ने आतंकवाद की निंदा करने और उग्रवाद के खिलाफ एकजुट होने की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कार्यक्रम में यू.के. भर से भारतीय प्रवासी एकत्रित हुए, जो पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने और उनके साथ एकजुटता दिखाने आए थे। ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए ऐसी त्रासदियों के सामने लचीलापन, एकता और न्याय के महत्व पर जोर दिया। दोराईस्वामी ने कहा कि यह हमला जम्मू-कश्मीर के लोगों को सामान्य दैनिक व्यवसाय करने से रोकने, उन्हें काम और व्यवसाय के माध्यम से अपने जीवन को बेहतर बनाने से रोकने के लिए किया गया था।

जिला पंचायत सभागार में आयोजित हुआ स्वच्छ भारत मिशन के तहत कार्यक्रम

ग्रामीण क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में कबाड़ी निभाएंगे महत्वपूर्ण भूमिका

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

स्वच्छ भारत मिशन-(ग्रामीण) योजना को सफलतम क्रियान्वित करने हेतु जिला पंचायत भोपाल द्वारा फंदा एवं बैरसिया विकासखंड में कबाड़ का काम करने वाले व्यापारियों एवं ग्रामों से कचरा एकत्रित करने वाले छोटे कबाड़ियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम जिला पंचायत भोपाल के सभागार में आयोजित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन-(ग्रामीण) अंतर्गत आयोजित उपरोक्त कार्यक्रम में 70 से अधिक कचरे का कार्य करने वाले समूह के सदस्यों ने भाग लिया कार्यक्रम में शासकीय योजनाओं से इन समूह को लाभान्वित करने हेतु बताया गया इसके अतिरिक्त उनके द्वारा एकत्र किए गए कचरे के उचित दर हेतु जिला पंचायत एवं सार्थक सामुदायिक विकास एवं जनकल्यादण संस्था द्वारा स्थापित मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी में अपशिष्ट के उचित दर एवं नियम अनुसार इसके निष्पादन की जानकारी दी गई कार्यक्रम में कबाड़ियों ने अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिसे जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी द्वारा संज्ञान में लाकर इन समस्याओं के निराकरण हेतु आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम में जिला समन्वायक, एसबीएम(जी.), श्री संतोष झारिया द्वारा ग्रामों से एकत्र होने वाले कचरे की जानकारी उपलब्ध कराई गई इस अवसर पर सार्थक संस्था के संयोजक एवं राज्य स्तरीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सलाहकार समिति के सदस्य श्री इम्तियाज अली द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 तथा स्वच्छ उद्यमी योजना के संबंध में कबाडियो को सम्पूंर्ण जानकारी उपलब्ध कराई गई। संयोजक डा.राजीव जैन ने बताया ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत छोटे कबाड़ी वालों एवं कचरा बिनने वालों को स्वच्छ उद्यमी योजना एवं नमस्कार योजना अंतर्गत लाभान्वित किया जाएगा तथा उनके कार्य को बेहतर तरीके से करने हेतु प्रशिक्षण भी प्रदान कराया जाएगा।

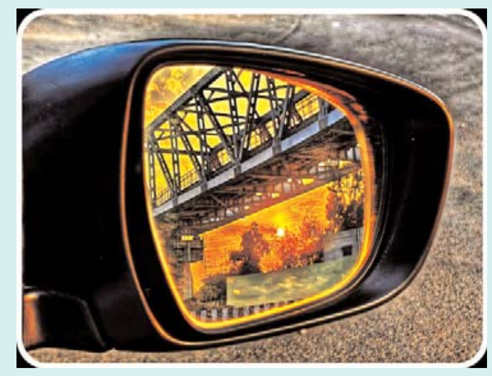

आज अपनी कर की ड्राइविंग सीट पर बैठे-बैठे सूर्योदय का यह सुप्रभात क्लिक किया है। कैसा लगा आप लोगों को अपनी राय अवश्य दीजिएगा।

छायांकन: जगदीश कौशल भोपाल

पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को मोमबत्ती जलाकर दी श्रद्धांजलि

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजवेद राजहर्ष जनकल्याण समिति ने एकता पार्क कोलार रोड में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध करते हुए मृतकों को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस दौरान सभी ने आतंकवादियों द्वारा निहत्थे पर्यटकों के साथ की गई बर्बरता की निंदा करते हुए अपना आक्रोश प्रकट किया और इस कायराना हरकत के लिए घटना के गुनेहगारों को कड़ा सबक सिखाने की सरकार से मांग की।

इस दौरान समिति के अध्यक्ष सेवानिवृत्त मेजर गंगाधर आराक, सचिव राजू पाटनकर, ललित गौर, एस एस कंठले, शंकर सेंगर, अश्विनी गौतम, प्रदीप चौहान, पवन सैनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे।

जैन धर्म ग्रंथ अनुसार चिन्मय और दिशा ने किया चक्रवर्ती विवाह

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अशोका गार्डन दिगंबर जैन मंदिर पर जैनधर्म ग्रंथ में वर्णित चक्रवर्ती विवाह करके नवयुगल दंपति चिन्मय जैन और दिशा जैन ने समाज को नई दिशा प्रदान की।पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि जैनधर्म ग्रंथ में वर्णित चक्रवर्ती विवाह करने पर कम खर्च आता है । भारतीय संस्कृति में शादी एक संस्कार होती है , लेकिन आज के समय में अब एक इवेंट बन कर रह गई हैं। यह कटु सत्य है ,एक सर्वे के मुताबिक भारत में साल भर में शादियों पर जितना खर्च हो रहा है, उतनी कई देशों की तष्ठक्क भी नहीं है। आज एक दूसरे से ज्यादा आधुनिक और अमीर दिखाने के चक्कर में लोग हद से ज्यादा दिखावा करने लगे हैं। पहले मंडप में शादी, वरमाला सब हो जाता था। फिर अलग से स्टेज का खर्च बढ़ा, अब हल्दी और मेहंदी में भी स्टेज, खर्च बढ़ गया है। प्री वेडिंग फोटोशूट, डेस्टिनेशन वेडिंग, रिसेप्शन, अब तो सगाई का भी एक भव्य स्टेज तैयार होने लगा है। टीवी सीरियल देख देख कर सब शौक चढ़े है। पहले बच्चे हल्दी में पुराने कपड़े पहन कर बैठ जाते थे अब तो हल्दी के कपड़े पांच दस हजार के आते है।

कभी ये सब अमीरों, रईसों के चोंचले होते थे लेकिन देखा देखी अब मिडिल क्लास और लोअर मिडिल क्लास वाले भी इसे फॉलो करने लगे है। रिश्तों में मिठास खत्म ये सब नौटंकी शुरू हो गई। एक मज़बूत के चक्कर में दूसरा कमजोर भी फंसता जा रहा है। कुछ वर्षों पहले ही शादी के बाद औकात से भव्य रिसेप्शन का क्रेज तेजी से बढ़ा। धीरे-धीरे एक दूसरे से बड़ा दिखने की होड़ एक सामाजिक बाध्यता बनती जा रही है। इन सबमें मध्यम वर्ग परिवार मुसीबत में फंस रहे हैं कि कहीं अगर ऐसा नहीं किया तो समाज में उपहास का पात्र ना बन जायें। सोशल मीडिया और शादी का व्यापार करने वाली कंपनिया इसमें मुख्य भूमिका निभा रहीं हैं। ऐसा नहीं किया तो लोग क्या कहेंगे / सोचेंगे का डर ही ये सब करवा रहा है। आज के समय में चिन्मय और दिशा ने चक्रवर्ती विवाह कर समाज को एक दिशा प्रदान की है, आज दिखावे में बर्बाद होते समाज को भी इसमें बदलाव लाने की आवश्यकता है, वरना अनर्गल पैसों का बोझ बढ़ते बढ़ते प्राचीन भारतीय वैवाहिक संस्कारों व इसकी महत्ता को समाप्त कर देगा।

विचार संसार के सबसे घातक हथियार हैं

मनुष्य की वास्तविक पूँजी धन नहीं , विचार हैं। मन:स्थिति बदले, तब परिस्थिति बदले । उपायेन हि यद शक्यं, न तद शक्यं पराक्रमैः । अर्थात् जो कार्य उपाय से किया जा सकता है, वह पराक्रम से नही किया जा सकता। पंचतन्त्र) विचारों की शक्ति अकूत है । विचार ही संसार पर शाशन करते है, मनुष्य नहीं। लोगों के बारे मे कम जिज्ञासु रहिये , और विचारों के सम्बन्ध में ज्यादा। विचार संसार मे सबसे घातक हथियार हैं। किस तरह विचार संसार को बदलते हैं, यही इतिहास है । विचारों की गति ही सौन्दर्य है। ग़लतियाँ मत ढूंढो , उपाय ढूंढो, जब तक आप ढूंढते रहेंगे, समाधान मिलते रहेंगे।

नवनिध एवं मिठी स्कूल द्वारा डिफेंस सर्विसेज़ एवं उसकी तैयारी पर हुआ विशेष सत्र

भारतीय सेना में करियर की संभावनाओं पर युवाओं को मिला मार्गदर्शन

संत हिरदाराम नगर। परमहंस संत श्री हिरदाराम साहिब जी की पावन प्रेरणा एवं श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के मार्गदर्शन में नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल एवं मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल के कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं (विज्ञान संकाय) के विद्यार्थियों के लिए डिफेंस सर्विसेज़ एवं उसकी तैयारी विषय पर एक प्रेरणादायक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना तथा उन्हें भारतीय थल सेना, नौसेना एवं वायुसेना जैसे गौरवपूर्ण रक्षा क्षेत्रों में करियर की संभावनाओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ संत हिरदाराम साहिब जी, माँ भारती एवं माँ सरस्वती के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसायटी के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी, सचिव घनश्याम बूलचंदानी, अकादमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, दोनों विद्यालयों के प्राचार्यगण अमृता मोटवानी एवं अजय बहादुर सिंह, शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि देश की सेवा करने का भाव बचपन से ही विद्यार्थियों में रोपित करना आवश्यक है। आज का युवा यदि देश के प्रति समर्पित होगा, तो कल का भारत और अधिक सुरक्षित एवं सशक्त बनेगा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कर्नल नारायण परवानी ने विद्यार्थियों को डिफेंस सर्विसेज़ में उपलब्ध अवसरों, NDA, CDS, AFCAT जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रकृति, चयन प्रक्रिया, शारीरिक एवं मानसिक मापदंडों आदि पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व जैसे गुणों के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रेरणादायक वीडियो क्लिप्स के माध्यम से उन्हें सशक्त बनने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि डिफेंस सर्विसेज़ केवल करियर का माध्यम नहीं, बल्कि मातृभूमि की सेवा का पवित्र अवसर है। हमें चाहिए कि हम ऐसी युवा पीढ़ी तैयार करें जो न केवल शिक्षित हो, बल्कि आत्मनिर्भर और देशभक्त भी हो। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षिका शशि नाथ द्वारा किया गया। अंत में मिठी गोविंदराम पब्लिक स्कूल के प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने मुख्य अतिथि एवं सभी गणमान्य अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह सत्र छात्रों के लिए निश्चय ही प्रेरणादायक सिद्ध होगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बोरबन पार्क में चला सफाई और पॉलीथिन मुक्त अभियान

संत हिरदाराम नगर। पर्यावरण वानिकी वन मंडल द्वारा पंडित दीनदयाल बोरवन पार्क स्थित तालाब क्षेत्र के आसपास एकत्रित हुए कचरे और पॉलीथिन को बोरवन क्लब के सदस्यों व वानिकी वन मंडल की टीम द्वारा उठाया गया। वानिकी वन मंडल जन भागीदारी से जल संचयन की दिशा में काम कर रही है। जिसके अंतर्गत जलाशयों जैसे नहरों, झीलों, तालाबों को पॉलीथिन मुक्त करने का जिम्मा हाथ में लेकर कार्य कर रहीं हैं। जगह-जगह जागरूक अभियानों द्वारा नागरिकों को जल संरक्षण संवर्धन का महत्व भी समझा रही हैं। क्लब अध्यक्ष जगदीश आसवानी ने स्वच्छता अभियान में शामिल होकर बताया पर्यावरण की महत्वपूर्ण शाखा जल है। अथवा दूषित जल से लीवर संबंधित कई रोग उत्पन्न होते हैं। सरकार अपना कार्य कर रही है पर हमारा भी दायित्व है कि हम भी पॉलीथिन का उपयोग न करके, कपड़े के झोले का उपयोग करके और सहयोग करें। अभियान में जगदीश आसवानी, वन रक्षक डी.पी तिवारी, शेट्टी चांदनानी, दिनेश सोनी, अशोक तनवानी, कमल शेवानी, अमर खियानी सहित कई उपस्थित थे।

नादयोग के अभ्यास से मस्तिष्क का भ्रम दूर होता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ के योग गुरु महेश अग्रवाल ने योग अभ्यास के दौरान योग साधकों को नाद योग के लाभ के बारे में बताया । नादयोग ध्वनि विज्ञान है । नादयोग का आधारभूत सिद्धान्त यह है कि हमारा विश्व एक नाद पर आधारित है । सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड ध्वनि-सिद्धान्तों की एक प्रणाली है । जिनका दृष्टिकोण भौतिकवादी नहीं है, उनका विश्वास है कि शरीर अन्तिम नहीं है । यह मात्र एक स्थूल स्तर है । स्थूल शरीर से सूक्ष्म शरीर भी है, प्राणिक शरीर आप जानते हैं कि प्राण जीवन-सिद्धान्त है । इसके पाँच विभाग हैं- प्राण, अपान, व्यान, समान और उदान । ये प्राण के कार्यसम्बन्धी विभाग हैं । इसके अतिरिक्त और भी सूक्ष्म पाँच उपविभाग हैं जो छींकने, पलक झपकने आदि क्रियाओं के लिए उत्तरदायी हैं । ये भी उसी प्राणिक ऊर्जा की क्रियाएँ हैं । हमारे भौतिक शरीर से परे मानसिक शरीर भी है, जिसके कारण हममें सोचने-समझने की शक्ति रहती है । यह हमारी चेतना का मानसिक स्तर है । इससे अपेक्षाकृत अधिक सूक्ष्म कारण शरीर का बौद्धिक स्तर होता है । इसका अनुभव अधिकतर स्वप्न या दिव्य-दर्शन में होता है । सूक्ष्मतम पाँचवाँ स्तर पूर्ण चेतना का होता है । योग शास्त्रों में इनका वर्णन अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय और आनन्दमय कोशों के नाम से किया गया है । इसलिए योग पर विश्वास करने वालों का कथन है कि भौतिक शरीर ही सब कुछ नहीं है, वह मात्र प्रारम्भिक बिन्दु है ।

इसी प्रकार बाह्य ध्वनियाँ भी केवल ध्वनियाँ नहीं हैं । हमारे शरीर में भी चेतना के विभिन्न स्तरों पर अनन्त ध्वनि तरंगें हैं । उनके मिश्रण तथा क्रम परिवर्तन से यह शरीर निर्मित होता है। नाद योगियों का कहना है कि प्रारम्भ में केवल एक ही पवित्र ध्वनि थी। उसके पश्चात् उसकी ध्वनि तरंगों द्वारा ब्रह्माण्ड की रचना हुई। इस प्रकार सर्वप्रथम ध्वनि के अलावा और कुछ नहीं था। की सर्वशक्तिमान् ध्वनि सब ओर और के जगह तरंगित हुई। की इस तरंग से प्रथम ध्वनि-तत्त्व की उत्पत्ति हुई और इस तत्त्व से पदार्थ का निर्माण हुआ।

इस तरह नादयोग के अनुसार समस्त शरीर और सम्पूर्ण सृष्टि ध्वनि-तरंगों का ठोस रूप है , अन्य कुछ नहीं। पारिभाषिक तौर पर यह नादब्रह्म कहलाता है । यदि आप संगीत-विज्ञान का अध्ययन करेंगे तो आपको ज्ञात होगा कि प्रत्येक ध्वनि का आकार होता है, वह मात्र तरंग नहीं है संगीत के स्वरों को ठोस रूप दिया जा सकता है। प्रत्येक ध्वनि को वैसी ही आकृति दी जा सकती है जैसे आप एक पत्थर , कुर्सी या पत्ते आदि को देखते हैं।

स्वास्थ्य और पर्यावरण जागरूकता पखवाड़ा के अंतर्गत रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। विश्व स्वास्थ्य दिवस 7 अप्रैल और वर्ल्ड अर्थ डे 22 अप्रैल के उपलक्ष्य में नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में 7 अप्रैल से 22 अप्रैल तक स्वास्थ्य एवं पर्यावरण जागरूकता पखवाड़ा मनाया गया। इस पखवाड़े के अंतर्गत कक्षा 1 से लेकर 10वीं तक की छात्राओं के लिए विविध रचनात्मक और जागरूकता आधारित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य स्वास्थ्य, पोषण, सतत विकास एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और उत्तरदायित्व की भावना को प्रोत्साहित करना था। कक्षा 1 से 4 तक की छात्राओं ने पेपर प्लेट कला, सजावट, मास्क निर्माण एवं स्लोगन लेखन जैसी गतिविधियों में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और संवेदनशीलता का परिचय दिया। कक्षा 5 व 6 की छात्राओं के लिए एक रोचक प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने पोषणयुक्त आहार से संबंधित संदेशों के माध्यम से संतुलित भोजन के महत्व को रेखांकित किया। कक्षा 7 की छात्राओं ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण विषय पर पोस्टर बनाए, जबकि कक्षा 8 की छात्राओं ने वेब पेज डिज़ाइन कर पर्यावरणीय विषयों को डिजिटल रूप में प्रस्तुत किया। कक्षा 9वीं और 10वीं की छात्राओं ने कपड़े व जूट की थैलियों की सजावट प्रतियोगिता के माध्यम से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और सतत जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

नरवाई जलाई तो नहीं मिलेगी किसान सम्मान निधि, एमएसपी पर फसल उपार्जन भी नहीं

वायु एवं मृदा प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकार का निर्णय एक मई से होगा लागू

मध्यप्रदेश स्वामित्व योजना एवं फार्मर रजिस्ट्री में देश में प्रथम स्थान पर

राजस्व महाअभियान 3.0 में 29 लाख से अधिक राजस्व प्रकरणों का हुआ निराकरण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है। फसल कटाई के बाद खेतों में नरवाई जलाने के मामलों में वृद्धि होने से वायु प्रदूषण सहित कई प्रकार से पर्यावरण को बेहद नुकसान हो रहा है। खेत में आग लगाने से जमीन में उपलब्ध पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और भूमि की उर्वरक क्षमता में भी गिरावट आती है। इसके निदान के लिये राज्य सरकार पहले ही नरवाई जलाने को प्रतिबंधित कर चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इसके बाद भी यदि कोई किसान अपने खेत में नरवाई जलाता है तो उसे मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। इसके अलावा नरवाई जलाने पर संबंधित किसान से अगले साल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल उपार्जन भी नहीं किया जाएगा। वे समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में राजस्व विभाग की समीक्षा में निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण, मृदा संरक्षण एवं भूमि की उत्पादकता बनाए रखने के मद्देनजर राज्य सरकार का यह निर्णय एक मई से लागू होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय भूमि, कुएं, बावड़ियों, तालाबों एवं गांवों में सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण हटाने के लिए सख्ती से विशेष अभियान चलाएं।

उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में सभी जल संग्रहण स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए राजस्व अधिकारी अपनी महती भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सभी अमृत सरोवर, तालाब, बांध, नहर एवं अन्य जल संरचनाओं को राजस्व अभिलेखों में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए और अभियान में नहर, कुए और बावड़ियों जैसी जल संरचनाओं को पूर्णतः अतिक्रमण मुक्त किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को नामांतरण और बंटवारा जैसे राजस्व से जुड़े कार्यों का तय समय सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की विभिन्न परियोजनाओं के लिए भू-अर्जन के प्रकरण प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अधिकारी अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों का नियमित निरीक्षण करें। नामांतरण, बँटवारा आदि मामलों का निराकरण समय सीमा में निरंतर होता रहे, यह भी सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजस्व सहित सभी विभाग डिजिटाइजेशन की दिशा में अग्रसर है। इसका सीधा लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है, उन्हें अब जरूरी कार्यों के लिए लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ता है। मध्यप्रदेश की साइबर तहसील परियोजना इसी दिशा में किया गया एक नवाचार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार देकर इसकी सराहना की है। उन्होंने बताया कि साइबर तहसील के सकारात्मक परिणाम मिले हैं और किसानों सहित सभी नागरिकों के जीवन में बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। साइबर तहसील 1.0 में अब तक 1 लाख 56 हजार 700 से अधिक और साइबर तहसील 2.0 में अब तक 1 लाख 19 हजार से अधिक प्रकरण निराकृत किए जा चुके हैं। साइबर तहसील 3.0 में भी 26 जनवरी 2025 तक नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा, तरमीम और सीमांकन के 7 लाख प्रकरण दर्ज हुए हैं। पहले 2 चरणों में 80 लाख से अधिक लंबित प्रकरणों का निपटारा किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती, नक्शा संशोधन जैसे राजस्वगत कार्यों की पेंडेंसी जल्द से जल्द खत्म की जाए।

राजस्व महा अभियान को मिला बेहतर रिस्पांस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में चलाए गए तीन राजस्व महा अभियानों को बेहतर रिस्पांस मिला है। उन्होंने बताया कि गत 15 नवम्बर से 26 जनवरी 25 तक चले राजस्व महाअभियान 3.0 में 29 लाख से अधिक राजस्व प्रकरणों का निराकरण दर्ज किया गया है। इसके बेहतर परिणामों को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को राजस्व महा अभियान वर्ष में दो बार संचालित किए जाने पर विचार करने को कहा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में राजस्व महाअभियान की सफलता को देखते हुए छत्तीसगढ़ जैसे अन्य राज्यों ने भी इसे लागू किया है। यह हमारे लिये गौरव की बात है।

अभिलेख वितरण कार्य पूरा

बैठक में बताया गया कि राजस्व विभाग के नवाचारी प्रयासों के तहत तैयार की गई स्वामित्व योजना एवं फार्मर रजिस्ट्री के मामले में मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। बताया गया कि स्वामित्व योजना में प्रदेश में ग्रामीण आबादी में निजी लक्षित सम्पत्तियों की संख्या लगभग 45.60 लाख है। इनमें से लगभग 39.63 लाख निजी सम्पत्तियों का अधिकार अभिलेख वितरित कर दिया गया है, योजना का 88 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जून 2025 तक यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही फार्मर रजिस्ट्री के लिए विशेष कैंप एवं स्थानीय युवाओं का सहयोग लिया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 80 लाख फार्मर आईडी बनाई जा चुकी हैं।

85 लाख किसानों को मिल रहा है सम्मान निधि का लाभ

राज्य सरकार ने फरवरी 2019 के बाद नए भू-धारकों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया है। इस योजना में केंद्र सरकार हर वर्ष पात्र किसानों को 6 हजार रुपए की आर्थिक सहायता उनके बैंक खातों में ट्रांसफर करती है। मार्च 2025 तक प्रदेश के 85 लाख से अधिक हितग्राहियों को 28 हजार 800 करोड़ रुपए राशि वितरित की जा चुकी है। साथ ही राज्य सरकार की ओर से भी पात्र मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में किसानों को 6 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जा रही है। वर्ष 2020 से लागू इस योजना में अब तक प्रदेश के 85 लाख से अधिक हितग्राहियों को 17 हजार 500 करोड़ रूपये राशि अंतरित की गई है।

वर्ष 2024 से प्रदेशभर में हो रहा फसलों का डिजिटल सर्वे

राजस्व विभाग ने गिरदावरी के लिए वर्ष 2024 से फसलों का डिजिटल सर्वे कार्य शुरू किया है। इसमें 60 हजार से अधिक ग्रामीण युवाओं द्वारा खेत और फसलों का सर्वे कार्य पूर्ण किया जा रहा है। प्रदेश में 190 तरह की फसलों की खेती हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रायः शासकीय भूमि के विवाद लंबे समय तक लम्बित रहते हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने गंधिया ग्राम में भगवान श्रीराम के विश्राम स्थल का दर्शन और पूजन किया

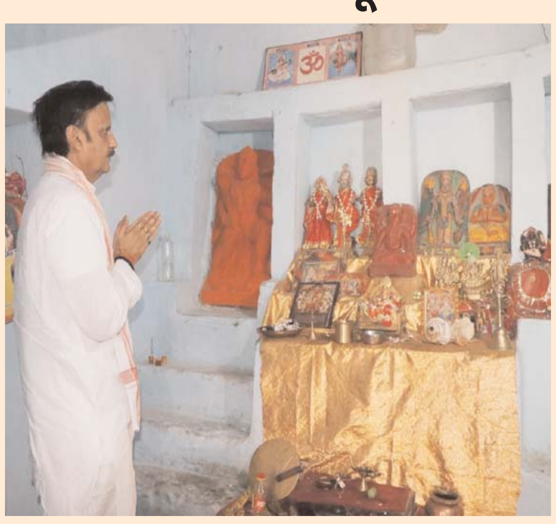

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ल ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के वनवास के दौरान विश्राम स्थल जयसिंहनगर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम गंधिया (सीतामढ़ी) में पहुंचकर दर्शन किये। उन्होंने पूजा अर्चना कर प्रदेश के विकास एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली की कामना की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को गंधिया ग्राम को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने बताया कि भगवान श्रीराम वनवास के दौरान उमरिया जिले के (सीतामढ़ी) के दशरथ घाट होते हुए गंधिया ग्राम पहुंचे थें। जहां उन्होंने 11 दिन विश्राम किया था। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बताया कि मंदिर के पास प्राचीन तालाब है जिसे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकसित करने की कार्ययोजना तैयार की गई है और अमल में लाई जाएगी। इस संबंध में ग्रामीणों के साथ जल चौपाल का आयोजन कर कार्य योजना तैयार की गई है। आपने बताया कि गंधिया ग्राम को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने तथा आमजन के श्रद्धा का केंद्र बनाने हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी शीघ्र किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मंदिर परिसर को व्यवस्थित स्वरूप दिया जाएगा। विधायक श्री शरद कोल, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत में बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण में होंगे समझौते

भोपाल। प्रदेश में 10 मई 2025 (शनिवार) को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। इसमें बिजली चोरी एवं अनियमितताओं के प्रकरण को समझौते के माध्यम से निराकृत किया जाएगा। विद्युत वितरण कंपनी द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि धारा 135 के अंतर्गत अदालत में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये निम्नदाब श्रेणी के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवॉट तक के गैर घरेलू एवं 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को ही प्रकरणों में छूट दी जाएगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

प्री-लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्?येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

लिटिगेशन स्तर पर - कंपनी द्वारा आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 20 प्रतिशत एवं आकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चक्रवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

जल संरक्षण के जन आंदोलन से जल समृद्ध बनेगा प्रदेशः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

शहडोल की ग्राम पंचायत टिहकी में जल गंगा संवर्धन अभियान की जन-चौपाल में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार जल-संरक्षण एवं संवर्धन को जन-आंदोलन के रूप में विकसित कर 'जल-समृद्ध मध्यप्रदेश' बनाने की दिशा में सतत कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि 'जल-गंगा संवर्धन अभियान' अब प्रदेश के हर गांव, हर परिवार और हर नागरिक की सहभागिता वाला जन-अभियान बन गया है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल शहडोल जिले की जनपद पंचायत जयसिंहनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत टिहकी में आयोजित जनचौपाल को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि वर्षा जल का संरक्षण और संवर्धन आज समय की मांग है। प्राकृतिक संतुलन के लिए आवश्यक है। प्रदेश सरकार ने जल-गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की है, ताकि हम जल को संग्रहित करें, उसका संरक्षण करें और जल-स्रोतों को पुनर्जीवित करें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि धरती की कोख यानी भूमिगत जल स्रोतों को भी पुनर्भरण (रीचार्ज) की आवश्यकता होती है। यदि हम केवल निकालते रहेंगे और वापस नहीं लौटाएँगे, तो भविष्य में अगली पीढ़ी को जल संकट का सामना करना पड़ेगा।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने आमजन से आह्वान किया कि वे छोटे-छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव लाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि जल केवल कृषि और पेयजल का साधन नहीं है, बल्कि यह संस्कृति, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य से भी सीधा जुड़ा हुआ है। उन्होंने ग्रामवासियों से आग्रह किया कि जल संरक्षण को सांस्कृतिक जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का हिस्सा बनाएं।

प्रत्येक विद्यालय, ग्रामसभा, स्व-सहायता समूह और युवा मंडल इस कार्य में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है, और मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश इस दिशा में अग्रणी बनकर उभर रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अगुवाई में देश एवं प्रदेश में निरंतर विकास के कार्य किए जा रहे है, महिलाएं सशक्त हो रही हैं, सामाजिक कार्यों में उनकी सहभागिता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि चारों तरफ पुल पुलियों, सड़कों का निर्माण होने से व्यापार के अवसर बढ़ रहें हैं, लोगों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन का पहला सुख निरोगी काया है, सभी लोग निरोगी रहें, इसके लिए सरकार निरोगी काया अभियान चलाकर घर घर सर्वे कराकर रोगियों की पहचान कर रही है। जिससे आमजन को गंभीर बीमारियों से बचाया जा सके। शहडोल जिला इस अभियान में तीसरे स्थान पर है, जिसके लिए जिला प्रशासन तथा सी. एम. एच. ओ. डॉ. राजेश मिश्रा को बधाई दी।

श्रमदान, कर दिया जल संरक्षण का संदेशः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने ग्राम पंचायत टिहकी में राम सागर बड़ा तालाब जीर्णोधार कार्य का शुभारंभ किया तथा श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया। विधायक ब्यौहारी श्री शरद कोल ने कहा कि पहले गांव के तालाब, कुआं, बावड़ी, में कभी पानी की कमी नहीं होती थी। सभी जगह साल भर पानी भरपूर मात्रा में रहता था, लेकिन अब इस दौर में कुआं, तालाब एवं बावड़ी का पानी गर्मी का सीजन आते ही सूख जाता है। उन्होंने कहा कि हमें आसपास के तालाब, कुआं, बावड़ी सहित अन्य जल संरचनाओं को बचाना होगा। उनकी साफ सफाई कर उनका जीर्णोधार करना होगा। कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में चार हजार से अधिक जल संरचनाओं का चयन किया गया है, एक तिहाई कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं, लगातार जल चौपाल लगाकर लोगों को सहभागी बनाया जा रहा है । पुलिस अधीक्षक श्रीराम श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह धुर्वे जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

फेडरेशन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की और मृतकों को श्रंद्धाजलि अर्पित की

भोपाल। फेडरेशन ऑफ़ एमपी चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की प्रबंध समिति ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास कर पहलगाम में हुए नरसंहार पर शोक प्रकट किया तथा सभी ने कहा कि इस समय पूरा उद्योग जगत शोक संतप्त परिवारों के साथ संवेदना व्यक्त करता है और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हैं। प्रबंध समिति सदस्यों ने पहलगाम में मारे गये लोगों की आत्मा की शांति के लिए 2 मिनिट का मौन धारण कर प्रार्थना की। फेडरेशन की प्रबंध समिति ने कहा कि वह कायराना हरकत की निंदा करते है और भारत सरकार द्वारा लिये गये कूटनीतिक निर्णयों का स्वागत करते है। फेडरेशन के अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा जी ने कहा कि पूरा उद्योग जगत भारत के विकास और प्रगति के प्रति संकल्पित है तथा सीमा पार से की गई इस आतंकी घटना का प्रत्युत्तर देने में भारत सरकार से कठोरतम कार्यवाही की अपेक्षा रखता है। दुख की इस घड़ी में हताहत परिजनों के साथ हम सब भी व्यथित हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि पीड़ित परिजनों को संबल प्रदान करें।

गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों में प्रथम प्रवेशित कक्षा में प्रवेश के संबंध में दिशा-निर्देश

भोपाल। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनयम के तहत कमजोर वर्ग एवं वंचित समूह के बच्चों को गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों की प्रथम प्रवेशित कक्षा की 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर सत्र 2025-26 के लिये ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से निशुल्क प्रवेश शीघ्र प्रारंभ किये जा रहे हैं। इस संबंध में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व गैर अनुदान मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूलों और जिला परियोजना समन्वयक द्वारा आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। इसी कार्यवाही के बाद प्रदेश में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से पूर्ण हो सकेगी। राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस संबंध में जिला कलेक्टर्स को पत्र लिखकर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय स्कूल यदि अल्पसंख्यक स्कूल है, तो सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी वैध जीवित प्रमाण-पत्र की हस्ताक्षरित प्रति 25 अप्रैल 2025 तक जिल परियोजना समन्वयक को प्रदान करने के लिये कहा गया है। आरटीई के तहत प्राप्त आवेदनों को मूल दस्तावेजों के परीक्षण के लिये सत्यापन अधिकारी नियुक्त कर पोर्टल पर मैप करने के लिये कहा गया है। निर्देशों में कहा गया है कि सत्यापन के बाद जिला परियोजना समन्वयक 26 अप्रैल 2025 तक कार्य पूर्णता का प्रमाण-पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र को प्रेषित करेंगे। इस आशय के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक-जिला शिक्षा केन्द्र और समस्त विकासखंड स्रोत समन्वयक को दिये गये हैं। इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल पर देखे जा सकते हैं।

अब टूटेगी पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था, जीडीपी होगी शून्य: कैलाश विजयवर्गीय

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दिल दहला देने वाले आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक मोर्चा खोल दिया है। आतंकियों द्वारा 26 निर्दोष पर्यटकों की बर्बर हत्या के बाद पूरे देश में रोष और पीड़ा का माहौल है। इस त्रासदी के जवाब में भारत सरकार ने जो नीति अपनाई है, उसने न केवल पाकिस्तान को चौकन्ना कर दिया है, बल्कि अब उसकी नींदें भी हराम हो चुकी हैं। मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भारत के जवाबी रुख का समर्थन करते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी कि अब पाकिस्तान को दिन में तारे दिखेंगे।

बीते मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पहलगाम क्षेत्र में जो कुछ हुआ, वह मानवता के नाम पर कलंक है। आतंकियों ने एक पर्यटक बस को निशाना बनाते हुए अंधाधुंध गोलियां बरसाईं। इस हमले में 26 निर्दोष सैलानियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। लोगों की आँखों में गुस्सा है, और दिल में सवाल कब तक बर्दाश्त करेंगे? इस सवाल का जवाब अब भारत की नीति में दिखाई दे रहा है, जो अब सहन नहीं, समाधान के मार्ग पर है। केंद्रीय नेतृत्व ने इस हमले के बाद जो कदम उठाए हैं, वह डिप्लोमेसी की जगह डिसाइसिव एक्शन की नीति का संकेत देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाते हुए सिंधु जल संधि जैसे ऐतिहासिक समझौतों की पुनः समीक्षा शुरू कर दी है। जबलपुर दौरे पर आए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने स्पष्ट कहा यह निर्णायक मोड़ है। अब सिर्फ शब्द नहीं, सख्त कदम उठाए जाएंगे। जनता का भी यही जनादेश है कि पाकिस्तान के खिलाफ अब नो मर्सी की नीति अपनाई जाए।

सिंधु जल संधि पर पुनर्विचार पाकिस्तान की सांसें अटकीं

भारत और पाकिस्तान के बीच वर्ष 1960 में हुई सिंधु जल संधि को अब भारत दोबारा से देख रहा है। इस समझौते के तहत भारत को पूर्वी नदियों (सतलुज, रावी और व्यास) का और पाकिस्तान को पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) का जल उपयोग करने की अनुमति मिली थी। यदि भारत इस समझौते को निलंबित करता है या समाप्त करता है, तो पाकिस्तान की पहले से ही लड़खड़ाती कृषि व्यवस्था को गहरा झटका लगेगा। कैलाश विजयवर्गीय ने कहा अगर भारत ने पानी रोका, तो पाकिस्तान की धरती सूख जाएगी, अर्थव्यवस्था डांवाडोल हो जाएगी और जीडीपी लगभग शून्य पर पहुंच जाएगी और वहां के लोग सच में दिन में तारे देखने को मजबूर होंगे।

अब मिलेगा पाक को करारा जवाब

कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि अब वक्त आ गया है जब भारत आतंकवाद की भाषा को उसकी ही शैली में जवाब देगा। उन्होंने कहा पाकिस्तान को लगता है कि वह छद्म युद्ध के जरिए भारत को झुका सकता है, लेकिन अब केंद्र सरकार का स्पष्ट संदेश है - भारत झुकेगा नहीं, तोड़ेगा। उन्होंने जनता की भावना को दोहराते हुए कहा कि देशवासी अब सिर्फ मोमबत्ती मार्च नहीं, जवाबी कार्रवाई देखना चाहते हैं। हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने घटनास्थल पर मौजूद चश्मदीदों के आधार पर तीन आतंकियों के स्केच और फिर तस्वीरें भी जारी कर दिए हैं। एनआईए, सीआरपीएफ, और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान की छटपटाहट शुरू

सिंधु जल संधि पर भारत की सख्ती से पाकिस्तान के राजनीतिक गलियारों में खलबली मच गई है। कृषि-प्रधान पाकिस्तान के लिए यह संधि जीवनरेखा है। इस पर रोक लगते ही वहां की अर्थव्यवस्था, फसल उत्पादन, और ग्रामीण जीवन त्राहि-त्राहि कर उठेगा। भारत का यह रुख सिर्फ कूटनीतिक नहीं, रणनीतिक भी है जिससे पाकिस्तान की कमर तोड़ने की तैयारी है, वो भी बिना युद्ध लड़े।

जनता का भी रुख- अब नर्म नहीं

देशभर में सोशल मीडिया से लेकर चाय की दुकानों तक, हर जगह एक ही बात गूंज रही है ङ्क अब बर्दाश्त नहीं। मंत्री विजयवर्गीय की बात, दिन में तारे दिखेंगे, आम नागरिक की आवाज बन चुकी है। यह सिर्फ एक बयान नहीं, उस पीड़ा और आक्रोश का प्रतिबिंब है जो हर भारतीय के मन में उस दिन के बाद से उफन रहा है।

संपादकीय

कश्मीरः नवविवाहित जोड़े की जिंदगी ही काली कर दी

एक तस्वीर मीडिया के जरिए दुनिया के सामने आई है। सबसे त्रासद, दर्दनाक और नरसंहार को बयां करती तस्वीर! एक नवविवाहिता की कलाइयों पर लाल रंग का चूड़ा है, उंगली में अंगूठी है, लेकिन वह अपने पति के शव के पास गुमसुम बैठी है। उसके भीतर न जाने कितने अंधड़ उमड़ रहे होंगे। आतंकी हमले ने एक नवविवाहित जोड़े की जिंदगी ही काली कर दी। कश्मीर में पहलगाम जिले के बैसरन घसियाले मैदान में आतंकियों ने हमला किया है। यह हमला ही नहीं, बल्कि दानवी नरसंहार है, जिसमें 28 निहत्थे, निर्दोष, मासूम पर्यटकों को, मात्र 20 मिनट में ही, लाश बना दिया गया। बैसरन घाटी पहलगाम से करीब 7 किमी दूर है। एक बेहद खूबसूरत घास का मैदान, जिसे 'मिनी स्विट्जरलैंड' कहते हैं, लेकिन आतंकियों ने उसे भी खून से लथपथ कर बदनाम कर दिया। पहलगाम से अमरनाथ यात्रा का एक मुख्य मार्ग जाता है। धार्मिक यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी शुरू हो चुका है। आतंकियों ने तीर्थयात्रियों के लिए भी खौफ और दहशत के भाव पैदा कर दिए हैं। इस बार आतंकियों ने चुन-चुन कर 'हिंदू पर्यटकों' को ही निशाना बनाया है। उनका नाम और धर्म पूछा गया, कलाई में कलावा देखा और कलमा नहीं पढ़ पाए, तो उन्हें गोलियों से भून दिया। बताया गया है कि 4-5 आतंकी थे। उन्होंने 50-70 राउंड गोलीबारी की और 28 सैलानियों को मौत की नींद सुला दिया। अधिकतर पुरुष पर्यटकों को ही निशाना बनाया गया। कर्नाटक की एक महिला ने पति की मौत के बाद जब कहा कि उसे भी मार दें, तो आतंकियों ने जवाब दिया-'नहीं, तुम्हें नहीं मारेंगे। तुम जाओ, जाकर मोदी को बता दो।' इस जवाब से ही आतंकियों की सोच और मंशा समझी जा सकती है। बहरहाल कश्मीर में फरवरी, 2019 के पुलवामा आतंकी हमले के बाद यह नरसंहार सबसे बड़ा और वीभत्स है। पुलवामा में 40 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को आतंकियों ने 'शहीद' कर दिया था। पहलगाम में धर्म के आधार पर चिह्नित कर पर्यटकों पर पहली बार आतंकी हमला किया गया है। इस नरसंहार ने मार्च, 2000 के चित्तीसिंहपुरा आतंकी हमले की याद ताजा करा दी, जिसमें 35 ग्रामीण सिखों को उनके घरों से निकाल कर मार दिया गया था। तब अमरीका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन कश्मीर के प्रवास पर ही थे। इस बार अमरीका के उपराष्ट्रपति वेंस भारत के प्रवास पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी भी सऊदी अरब गए हुए थे। बहरहाल उन्हें तुरंत लौटना पड़ा। लौटने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने गृहमंत्री अमित शाह को फोन पर निर्देश दिए कि तुरंत श्रीनगर जाएं और हालात तथा सुरक्षा का जायजा लें। गृहमंत्री श्रीनगर में ही हैं। उन्होंने उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह सचिव सहित सुरक्षा के शीर्ष अधिकारियों के साथ मंथन किया कि ऐसा क्यों हुआ है? राष्ट्रीय जांच एजेंसी भी अब ऑपरेशन में शामिल हो सकती है।

सेना की कार्यवाही कैसी होगी, कब होगी, कहाँ होगी गोपनीयता के कारण इसे सार्वजनिक नहीं किया जाता है लेकिन भारत के निरीह एवं निहत्थे हिंदुओं की पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्या के बाद हर भारतीय का खून खौल रहा है और वह इसका बदला लेने की मांग कर रहे हैं। बदला तो ऐसे कुकृत्यों के बाद हर बार लिया जाता है लेकिन लगता है इस बार मोदी बदले से कहीं ज़्यादा कार्यवाही के मूड में हैं, क्यूँकि पानी सर से ऊपर निकल गया है, पक्का इलाज जरूरी है। पाकिस्तान ने जो आतंकवाद की जंग शुरू की है उसे अब भारत ही समाप्त करेगा।

सीसीएस के निर्णय तो सिर्फ झांकी है - बहुत कुछ होना बाकी है

राकेश शर्मा

पाकिस्तानी प्रायोजित आतंकवाद और जिहादीयों ने उरी और बालाकोट में भारत के द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक को शायद बहुत हल्के में लिया और अब एक बार फिर दुस्साहस कर पहलगाम में अट्ठाइस निहत्थे सैलानियों की निर्मम हत्या कर दी।

इस हृदय विदारक घटना से विचलित होकर प्रधानमंत्री मोदी अपना सऊदी अरब का सरकारी दौरा बीच में ही छोड़कर भारत वापस आ गए, गृहमंत्री अमित शाह को तुरंत घटनास्थल पर पहुँच कर हालात जानने का निर्देश दिया, मध्य रात्रि में वापस लौटकर बिना एक मिनट व्यर्थ किए हवाई अड्डे पर ही विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल से मीटिंग कर हालात का जायजा लिया और इस बार आतंकवाद के खिलाफ आर पार का मन बना लिया। इस मीटिंग के दौरान मोदी के चेहरे के भाव देखकर ही लग रहा था कि इस बार कुछ बड़ा ही होगा। कल सीसीएस की मीटिंग के बाद जो विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पाँच निर्णयों की जानकारी देश के साथ साझा की उससे पूत के पाओं पालने में दिखने वाली कहावत चरितार्थ होती नज़र आयी।

मुझे तो लगता है कि निर्णय जो बताए गए उससे कहीं ज़्यादा छुपाये गए और कठोर लिए गए होंगे, क्यूँकि जो बताया गया वह सिर्फ़ कठोर कूटनीतिक निर्णय है, सेना के तीनों अंगों को सिर्फ़ सतर्क रहने को कहा गया है। इससे अंदाज़ा लग रहा है अजीत डोवाल जिन्हे देश हित में कोई भी निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी गई है, उनके नेतृत्व में पाकिस्तान में उपज रही आतंकवाद की नागफनी को बॉर्डर पर और पाकिस्तान में घुसकर नेस्तनाबूद करने का फैंसला ले लिया गया है। यदि ऐसा है तो निर्णय ठीक भी है क्यूँकि पिछले सतहत्तर सालों में पाकिस्तान बिल्कुल भी नहीं सुधरा है और छोटे मोटे एक्शन से थोड़े समय के लिए सांस लेने के लिए रुकता है लेकिन अपने दुस्साहस की प्लानिंग और कार्यवान्यन अनवरत जारी रखता है।

सेना की कार्यवाही कैसी होगी, कब होगी, कहाँ होगी गोपनीयता के कारण इसे सार्वजनिक नहीं किया जाता है लेकिन भारत के निरीह एवं निहत्थे हिंदुओं की पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निर्मम हत्या के बाद हर भारतीय का खून खौल रहा है और वह इसका बदला लेने की मांग कर रहे हैं। बदला तो ऐसे कुकृत्यों के बाद हर बार लिया जाता है लेकिन लगता है इस बार मोदी जी बदले से कहीं ज़्यादा कार्यवाही के मूड में हैं, क्यूँकि पानी सर से ऊपर निकल गया है, पक्का इलाज जरूरी है। पाकिस्तान ने जो आतंकवाद की जंग शुरू की है

उसे अब भारत ही समाप्त करेगा।

इस समय पूरा विश्व भारत के साथ है और चाहता है की पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया जाए। इस घटना के बाद बहुत से विश्व नेताओं ने मोदी जी से बात की लेकिन सबसे पहला फ़ोन अमरीकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प का आया। अब उन्होंने बाग बगीचे में टहलते हुए फूल पत्तियों की बात तो नहीं ही की होगी। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ एक्शन की रणनीति ही साझा की होगी। अमेरिकी उपराष्टपति वेंस जो आजकल भारत में निजी यात्रा पर हैं उन्होंने सरेआम कह दिया है की आतंकवाद की इस जंग में अमेरिका भारत के साथ है। उधर जब पूरा विश्व भारत के साथ है हमारा विपक्ष कांग्रेस के नेतृत्व में इस घटना के लिए भारत सरकार को ही दोषी मान रहा है। ऐसे मौकों पर पूरे राष्ट्र को एक साथ खड़े होना चाहिए लेकिन कांग्रेस के दामाद रॉबर्ट वाडरा तुष्टिकरण के पुरोधा बनकर कह रहे है की यह भारत में मुस्लिमों के ख़िलाफ़ हो रही कार्यवाही का ही नतीजा है और इतनी घटिया सोच पर उनकी पत्नी प्रियंका वाडरा और साले राहुल, सास सोनिया गांधी के मुँह सीले हुए हैं या यूँ कहे की रॉबर्ट वाडरा को मूक समर्थन है।

कल पाकिस्तान के ख़िलाफ़ पाँच कूटनीतिक निर्णयों में सबसे महत्वपूर्ण 1960 में हुए सिंधु जल समझौते पर रोक है। ज्ञात हो 1965, 1971, 1999 के युद्धों के बाद, 2004 के संसद हमले, 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले और अनवरत आतंकवादी घटनाओं के बाद भी ऐसा कठोर निर्णय भारत सरकार ने कभी नहीं लिये जिसे मोदी ने लेने की हिम्मत दिखाई है। पाकिस्तान की अस्सी प्रतिशत सिंचाई और बहुत हद तक बिजली की आपूर्ति इसी पानी से होती है। अब पाकिस्तान में इस निर्णय से हाहाकार मचना लाजिमी है और इसके लिए पाकिस्तान का प्रायोजित आतंकवाद ही जिम्मेवार है। मोदी जी एक बार कोई निर्णय ले लेते हैं तो किसी दबाव में झुकते नहीं है। इस बार तो आतंकवाद के मुद्दे पर आर पार के बाद ही इस विषय पर बात होगी भी की नहीं मोदी जी ही जानते हैं क्यूंकि यह निर्णय पाकिस्तान की रीढ़ की हड्डी तोड़ने जैसा है।

दूसरे निर्णय के अनुसार सभी पाकिस्तानियों को भारत में आने की मनाही है। ऐसे देश के लोगों को हम अपने यहाँ क्यों आने दें जो हमारे यहाँ आतंकवाद फैलाते हैं।

तीसरा निर्णय अटारी बॉर्डर बंद करने का लिया गया है और जो पाकिस्तानी यहाँ से आये थे उन्हें एक मई तक वापस लौटने को कहा गया है।

चौथा। सार्क समझौते के तहत वीसा पाए लोगों का वीसा रद्द कर उन्हें वापस जाने को कह दिया गया है। इस वीसा के तहत इक्कीस केटेगरी के लोग भारत में एक वर्ष तक रह सकते थे जिसने राजनीतिज्ञ, पत्रकार, व्यापारी इत्यादि लोग होते हैं।

पाँचवाँ निर्णय पाकिस्तानी दूतावास में कर्मचारियों की संख्या तीस तक सीमित कर दी गई है और सैन्य सलाहकारों को भारत छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। मोदीजी इस बार सैन्य और कूटनीतिक हमले कर पाकिस्तान को तब तक नहीं छोड़ना जब तक वो सारे आतंकवादियों, उनके सरगनाओं और उनके अड्डों को समाप्त ना कर दे, नाक रगड़ रगड़ कर अपने कुकृत्यों के लिए माफ़ी ना माँग ले वरना पिछले सभी समझौतों की तरह यह झूठा आतंकवादी देश फिर वायदा खिलाफी करेगा, भारत का सिरदर्द बना रहेगा। यही समय है, सही समय है जो पाकिस्तानी रूपी विकराल समस्या का निदान कर दिया जाए।

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी।

पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया।

पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था।

जिस तरह से धर्म और नाम पूछकर आतंकवादियों ने हिन्दुओं का नरसंहार किया उससे समूचा राष्ट्र आक्रोश में है। भारत की बेटी जिस की हाथों की मेहंदी का रंग भी अभी फीका नहीं हुआ था और तीन दिन पहले ही उसकी शादी हुई थी, उसकी अपने पति भारतीय नौसेना के लेफ्टीनेंट विनय नरवाल के शव के साथ तस्वीर देखकर समूचे देश का दिल दहल गया। हैदराबाद के आईबी अधिकारी मनीष रंजन को पत्नी और बच्चों के सामने मार दिया गया, ऐसे ही दर्दनाक दृश्य चारों ओर बिखरे थे। यह हमला वैसा ही जैसा हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर किया था। आज समूचा राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ?खड़ा है। हर देशवासी चाहता है कि पाकिस्तान को?ऐसा सबक सिखाया जाए जैसा इजराइल ने हमास को सिखाया है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में तीव्र गर्जना करते हुए पाकिस्तान को सबक सिखाने का संकल्प व्यक्त किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के आगे घुटने न टेकने की बात कहीं है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र कड़ा जवाब दिया जाएगा। लेकिन अब घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता, देश की एकता एवं घाटी की शांति को चुना है।

पहलगामः अब भारत की पारी शुरू

राकेश दुबे

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है।

यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है।

पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी(2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए।।

लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद केंद्र सरकार ने युद्धस्तर पर कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी विदेश यात्रा को बीच में ही रोककर भारत लौटे हैं। गृहमंत्री अमित शाह ने भी घाटी पहुंचकर तत्काल जमीनी स्थितियों का आकलन होने तक पूरी सरकारी मशीनरी की ताकत झोंक दी है। तात्कालिक प्रतिक्रिया के तौर पर इस संवेदनशील क्षेत्र की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमलावरों को यथाशीघ्र को कड़ा जवाब दिया जाएगा। अधिकारियों को घाटी की उन आवाजों को भी बुलंद करना चाहिए जिन्होंने हिंसा को खारिज करके मानवता को चुना है।

रो रही है झेलम कश्मीरियत के क़त्ल पर

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद न?र आए थे, वैसा पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिद्दर नदी के हमराह यहां सिर्फ घो? ही घो? न?र आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घो? और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहा?ों के साथ स?कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रो?ी है।

हां,झेलम मंगलवार की रात से ही रो रही है कश्मीरियत के क़त्ल पर क्योंकि यही वह नदी है जो कश्मीर की जीवन रेखा है; और गवाह है धरती के इस ?ूबसूरत हिस्से की भोगी हुई पी?ाओं की। इसने जाना है कि %धरती का स्वर्ग% कहलाने के बाद आततायी किस तरह पहले लालची न?रों से देखते हैं और फिर ?ूनी वार करते हैं। इसने देखा है कि शातिरों ने इसके अपने बच्चों के हाथों में कैसे बंदूकें थमा दीं, लेकिन अब इसने चाहा है कि इस बेहद सुन्दर जगह को जिन बुरी न?रों ने घेर रखा है उनकी शिनाख्त ?रूरी है। झेलम का ?ार-?ार रोना जारी है क्योंकि जिन मासूम बेगुनाहों का खून उसने देखा है, वह उसे भीतर से सुखा दे रहा है। वह नई नवेली दुल्हन जो अपने पति के शव के पास बिलख रही है, झेलम उसके दुःख को झेल पाने में नाकाम है। इसे कश्मीरी अवाम ने भी उसी तरह महसूस किया है और यही वजह है कि ?म?दा होकर वह स?कों पर हैं, मशालें लेकर विरोध-प्रदर्शन कर रही है। अपने शहर बंद कर रही है। जम्मू से श्रीनगर तक यही भावना है, जैसे अभी चुप रहेंगे तो आगे और ब? गुनाहों के भागी होंगे। वह गुहार लगा रही है %बंद करो, बंद करो यह ?ूनी हिंसा बंद करो !ज् वह शर्मिंदा भी है कि अपने मेहमानों को नहीं बचा सकी। वे लगातार बोल रहे हैं, लिख रहे हैं कि हम शर्मिंदा हैं और इस कुकृत्य पर हमारा सर शर्म से झुका हुआ है। हिंदी पट्टी का सोशल मीडिया अगर बहस कर रहा है कि धर्म पूछ कर मारा या सरकार के इंटेलिजेंस की नाकामी है या बिना ?ार्स के उस जगह तक पर्यटकों को जाने की अनुमति क्यों थी, तो कश्मीर के लोग लिख रहे हैं कि कोई भी कहानी ऐसे अंत के लिए नहीं बनी है।

आतंकियों ने धर्म पूछा फिर मारा यह बात हरेक के दिल में घर कर गई है। जो केवल यही सच है तो फिर अनंतनाग के सय्यद हुसैन शाह को किसने मारा? मृतकों में उनका नाम क्यों है? वह घायलों को बचाते हुए कुर्बान हुआ। लेखक आशुतोष कुमार लिखते हैं कि अगर आप इतना ही याद रखेंगे और यह भूल जाएंगे कि हमले के दौरान और उसके ठीक बाद घायलों को अपने कंधों पर या घो?ों से अस्पताल पहुंचाने वालों ने न धर्म पूछा न जाति, तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। अस्पतालों में डाक्टरों और नर्सों ने बहुत कम सुविधाओं के साथ अपनी भूख, प्यास और नींद सब भूलकर घायलों का इलाज किया, जिससे मृतक संख्या को नियंत्रित किया जा सका। अगर आप इसे भूल जाएंगे तो आतंकवादियों की ही मदद कर रहे होंगे। बहुत देर तक कोई सरकारी सहायता नहीं पहुंच पाई थी, कोई वाहन नहीं थे, तब स्थानीय लोग घरों से बाहर निकले और अपनी जान की बाजी लगाकर उन लोगों को रेस्क्यू किया जो हमले की ?द में थे। अगर आप यह भी भूल जाएंगे तो आप आतंकवादियों की ही मदद कर रहे हैं। सारा का सारा जम्मू-कश्मीर इस जघन्य हत्याकांड के विरोध में उठ ख?ा हुआ है। बिना किसी भय और हिचक के उन्हें संदेश दिया कि कश्मीर का बच्चा-बच्चा उनके खिला? तनकर ख?ा है।

पोस्टर की बात करें तो छत्तीसग? भारतीय जनता पार्टी का ही एक पोस्टर सोशल मीडिया में खूब प्रचार पा रहा है। पोस्टर में पत्नी का पति के शव के साथ स्केच है और उस पर लिखा है - %धर्म पूछा जाति नहीं... याद रखेंगे।% इसे क्या कहा जाए कि पार्टी बेहतर महसूस कर रही है कि जाति नहीं पूछी क्योंकि वे खुद धर्म की सियासत करते हैं और उनके विरोधी जाति की। आपदा में अवसर शायद इसे ही कहा जाता है कि भीषण दुःख और अपरिहार्य परिस्थिति में भी दलों से सियासत नहीं भूली जाती। किसी को भी यह समझने में क्यों भूल करनी चाहिए कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता। वे अपने हिंसक आक़ाओं की हसरतों के मोहरे भर होते हैं।

धर्म देखकर फ्रिज खोलकर मीट चेक करने के बाद हत्या को अंजाम तो कुछ और भी लोगों ने दिया है। बेहतर है कि पहलगाम में 27 निर्दोषों की हत्या को इस तंग नैरेटिव के बीच न सीमित कर दिया जाए। सरकार को इस घटना से ऐसा सबक लेना चाहिए कि कश्मीर में फिर कभी ऐसी विभीषिका न हो। सरकार ने ही संसद में अपनी बात कहकर लोगों को यकीन दिलाया था कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह सरकार चुप बैठने वाली नहीं है, घर में घुसकर मारती है। अब जो हुआ है, यह उन सैलानियों के यकीन का क़त्ल है। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि आप यहां आएं, आप सुरक्षित हैं। नतीजतन 2023 में दो करो? दस लाख से ज़्यादा सैलानी यहां आए जो साल 2020 में 35 लाख से भी कम थे। अभी तो सीजन शुरू ही हुआ था और अगले तीन महीनों तक यह सिलसिला जारी रहना था लेकिन पहलगाम की घटना ने कश्मीर को फिर पीछे पंहुचा दिया है।

इसी यकीन के भरोसे सपरिवार पिछले बरस आठ दिन कश्मीर में और दो दिन पहलगाम में बिताए थे। सब ?ुश थे। घो? वाले, टैक्सी वाले, होटल वाले, कॉ?ी शॉप वाले कि घाटी में बहार आई है और सैलानी लगातार आ रहे हैं। ऑटो और शिकारा चलाने वाले भी बेहद ?ुश थे कि इस बार टूरिस्टों की संख्या ने उनके घर, दुकान, गा?ियों के लोन अदा करवा दिए। खूब तो ऊनी कप? पसंद किये गए, खूब मखमली केसर और अखरोट सैलानी अपने घर ले गए। उनका बस चलता तो घाटी का बेमिसाल मौसम भी साथ ले आते। श्रीनगर में जहां कदम-कदम पर फौजी नंगी स्टैनगनों के साथ मुस्तैद न?र आए थे, वैसा पहलगाम में नहीं दिखा था। पहलगाम यानी चरवाहों का गांव और वाकई लिद्दर नदी के हमराह यहां सिर्फ घो? ही घो? न?र आते हैं। ऊपर के गांवों से नीचे आते हुए घो? और फिर इन्हीं रास्तों से लौटते हुए, मानों पहा?ों के साथ स?कों पर भी इन्हीं का राज हो। वहां के गुर्जर चरवाहों की यही रो?ी है। सर्दियों में वे अपने बनाए गर्म कप?ों को लेकर भारत के मैदानों में आ जाते हैं। टूरिस्ट पहलगाम से टैक्सी लेकर आस-पास के स्थानों पर दिन भर में घूमकर पहलगाम लौट आते हैं। आरु वैली, बेताब वैली, चन्दन बा?ी (जो अमरनाथ यात्रा का बेस पॉइंट है), बैसरन घाटी जैसे कई पिकनिक स्पॉट्स तक सैलानी जाते हैं।इस यात्रा ने जिस बात ने अभिभूत किया वह थी कश्मीरियों की मे?बानी। वे सैलानी को बहुत सम्मान देते हैं। ?लती से आप किसी ऐसी जगह पहुंच जाते हैं जो टूरिस्ट के लिए नहीं, तब भी वे आपकी आवाभगत करते हैं। पहलगाम के आतंक ने उन्हें भीतर तक हिला दिया है। वे स?कों पर निकल प? हैं। उनका विरोध और भारत सरकार के पाकिस्तान को म?बूत जवाब देने की नीयत, दोनों का एक साथ आना कश्मीर के हालात को बदल सकता है। ?िलहाल जवाब तो इस बात के भी ढूंढने होंगे कि इन सैलानियों की सुरक्षा के लिए क्यों कोई जवाबी कार्रवाई नहीं देखी गई? सुरक्षा बल वहां क्यों नहीं थे? यह चूक क्यों थी? बैसरन घाटी का हमला पुलवामा के बाद सबसे ब?ा हमला माना जा रहा है। इतना ब?ा इंटेलिजेंस फेलियर कैसे हुआ ? जो कोई इनपुट मिले थे तो सुरक्षा क्यों नहीं बरती गई और जो नहीं मिले तो यह कैसे संभव हुआ?

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर

प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

पुलिस ने बैंक के पास हुई 80 वर्षीय बुजुर्ग से चोरी का किया खुलासा

2 आरोपी माँ-बेटा को किया गिरफ्तार भेजा जेल

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। फरियादी नारायण सिंह बघेल निवासी हिम्मतगड का दोपहर के समय बैंक ऑफ़ इंडिया सागर रोड रायसेन से एक लाख चालीस हजार रुपये निकाले थे जो बैंक के बाहर अज्ञात चोरो ने फरियादी का झोला काटकर एक लाख बीस हजार रुपये चोरी कर ले जाने पर थाना %कोतवाली रायसेन में अपराध क्र. 220/25 धारा 303(2) बीएनएस का कायम कर जांच में लिया गया।प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय के निर्देशन, अति. पुलिस अधी. रायसेन कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में एवं एसडीओपी प्रतिभा शर्मा, सहायतार्थ थाना प्रभारी संदीप चौरसिया के नेतृत्व में टीम गठित कर गंभीरता पूर्वक तलाश की गई।अनुसंधान के दौरान घटना स्थल के आस-पास एवम भोपाल रोड के सीसीटीबी फुटेज चेक कर तथा मुखविर सूचना के आधार पर प्रकरण के अज्ञात आरोपियों की तलास पतारसी कर आरोपी अनिकेत उर्फ़ कोको पिता राजेश सिसोदिया उम्र 18 साल तथा मंजी उर्फ़ मंजू पति राजेश सिसोदिया उम्र 35 साल दोनों निवासी ग्राम कडिया सासी थाना बोडा जिला राजगढ़ को अभिरक्षा में. लेकर पूछताछ कर आरोपियों के कब्जे से

नगद 20000/- रूपये, बैंक खाते में जमा 99000/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त एक ट्रिमर, एक शाइन मो0स0 कीमती 70000/- की विधिवतं जप्त किया. आरोपियों को गिरफतार कर माननीय न्यायालय रायसेन पेश कर जिला जैल दाखिल किया आरोपियों से पूछताछ के दोरान रायसेन व बरेली थाना क्षेत्र में व अन्य जिलो में घटना घटित करना स्वीकार किया है। उपरोक्त प्रकरण में आरोपी की पतारसी/गिरफ्तारी एवं माल बरामद करने में एसडीओपी प्रतिभा शर्मा, थाना प्रभारी संदीप चौरसिया, सउनि सतीश जालवान, सउनि मुकेश चोरासिया, प्र. आर. 23 संजीव धाकड़, महिला प्र.आर. 371 सुषमा सिंह, आर. 695 शशांक दीक्षित, आर. 475 राहुल नामदेव,, प्र0आर0 294 कृष्णा कटियार, प्र0आर0 दुर्गेश की अहम् भूमिका रही।

आल इंडिया रोप स्किपिंग प्रतियोगिता में रजत पदक

खरगोन। आल इंडिया विश्वविद्यालयीन रोप स्किपिंग प्रतियोगिता 2025 का आयोजन दिनांक 22 अप्रैल 2025 से 24 अप्रैल 2025 तक माधव विश्वविद्यालय पिंडवाड़ा जिला सिहोरी राजस्थान में किया गया। इस प्रतियोगिता में ग्राम बमनाला की बेटी कु.गरिमा पिता देवेंद्र गुप्ता जो कि मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की छात्रा है जिसने प्रतिनिधित्व करते हुए सिंगल रोप एल 3 स्टेप (30सेकंड) में अपनी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। टीम में कु.गरिमा गुप्ता के साथ कु.भूमिका यादव, कु.काजल सिलावट, कु.पूनम प्रजापत ने सहभागिता की। कोच के रूप में प्रोफेसर हेमंत यादव टीम के साथ उपस्थित थे।बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय के एच ओ डी प्रोफेसर आलोक मिश्रा, खेल एवं युवक कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, मंत्री कृष्णा गौर, भोपाल के सांसद आलोक शर्मा, खरगोन सांसद गजेन्द्र पटेल, खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष कैलाश विजयवर्गीय एवं उपाध्यक्ष पत्रकार मनोज रघुवंशी खरगोन, जिला भाजपा अध्यक्ष नंदा ब्राह्मने, क्षेत्रीय विधायक झूमा सोलंकी, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र राठौड़, जिला महामंत्री राजेश माहेश्वरी, पूर्व जिला मंत्री दिलीप जोशी के साथ ही स्नेहजनों, गुरुजनों सहित सहपाठियों आदि ने बधाई देकर सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

वेअर हाउस में अव्यवस्था लाइट बंद होने से किसान परेशान

सुल्तानपुर (अनवर आजाद)। रायसेन जिले के तिलंडी के समीप गंगा विहार हाउस पर कुछ दिनों से लाइट बंद पड़ी है जिसके कारण किसान परेशान हो रहे हैं संचालक दूसरे को बढ़ता देख रंजिश की कहावत तो सुनी जाती है इस तरह कुछ संचालक एक दूसरे की टांग खींचने में लगे रहते हैं रहा सवाल पार्वती बिहार हाउस के संचालक का ईमानदारी में उसका तोड़ नहीं लाखों रुपए का अन्य उसके घर में ही पैदा होता है

ओम प्रकाश मीणा भाजपा के कद्दावर पर नेता के श्रेणी में गिने जाते हैं समिति प्रबंधकों में नरेंद्र पाल हाजी सादिक खान माधव मीणा की ईमानदारी की चर्चाएं सुनी जा सकती हैं भारत सरकार के मंत्री शिवराज सिंह चौहान तत्कालीन स्वर्गीय पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा वर्तमान विधायक सुरेंद्र पटवा ओम प्रकाश मीणा और उनके पिताजी को आज भी सम्मान की दृष्टि से देखते हैं संपन्न परिवार होने के कारण लोग राजनीतिक रंजिश रखा करते हैं

एक कहावत यह भी है देखकर जलो मत बराबरी करने का प्रयास करो फिर भला कांटे पर आधा किलो गेहूं चोरी क्यों करेगे रहा सवाल ओपी मीणा कुशल व्यवहार भाजपा के प्रति उनकी लगनशीलता जग जाहिर है भ्रष्टाचार या माफिया का आरोप लगाना पत्रकारिता में कलम को कलंकित करता है पत्रकारिता में मापदंड होना भी अनिवार्य है आठवीं फेल वाला व्यक्ति जिसमें काबिलियत जीरो हो वह पत्रकार बन बैठ जाता है कई लोग महीनो जेल में रहने के बाद अपने आप को पत्रकार बताते हैं एक समय था जब कुछ लाइन लिखने पर शासन हरकत में आ जाता था

वर्तमान में कुछ पत्रकारों ने पत्रकारता के नाम को कलंकित कर दिया है डाला डोली करना चरित्र का हनन करना मानो उनका पैसा बन गया है यदि धारा 500 की परिभाषा लोगों को पता चल जाए तो सोच समझ कर लिखना पड़ेगा सोच समझ कर बोलना पड़ेगा

शराब पीने मांगे पैसे, विवाद में महिला ने गला दबाकर की हत्या

शहडोल। जिले के धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत संग्राम सिंह दफाई में बीती रात एक महिला ने अपने प्रेमी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। जानकारी लगते ही पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि राधा कोल 27 वर्ष निवासी धनपुरी एवं सुरेश बैगा 27 वर्ष निवासी डोंगरा टोला चचाई की कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया के माध्यम से दोस्ती हुई थी। दोनों के प्रेम संबंध इतने बढ़ गए कि अपना घर छोड़कर दोनों पति-पत्नी के रूप में किराए के मकान में रहने लगे। कुछ दिनों से दोनों के बीच में विवाद होना शुरू हो गया। सोमवार की रात सुरेश बैगा ने शराब पीने के लिए पैसों की मांग करते हुए विवाद करना शुरू कर दिया। विवाद इतना बढ़ गया कि राधा कोल ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। मंगलवार की दोपहर घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर विवेचना शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो गला दबाकर हत्या करना स्वीकार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

नरवाई जलाने पर जिले में 26 पर एफआईआर दर्ज

औबेदुल्लागंज (संवाददाता)। जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। साथ किसानों को नरवाई जलाने से के दुष्परिणामों और नरवाई प्रबंधन के उपायों की जानकारी दी जा रही है। समझाइश के उपरांत भी नरवाई जलाने वालों पर नियमानुसार एफआईआर और जुर्माने की कार्रवाई भी की जा रही है। अपर कलेक्टर श्वेता पवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में 24 अप्रैल को नरवाई जलाने पर 26 एफआईआर की गई हैं। जिले में पर्यावरण क्षति के 171 प्रकरणों में 461000 रु जुर्माने की कार्रवाई की गई है।

आज विचार गोष्ठी पर संवाद करेंगे मंत्री विजय शाह

मंडला। शुक्रवार को दोपहर 4 बजे से भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा नगर पालिका के टाऊन हॉल में विचार गोष्ठी का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बताया कि संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान कार्यक्रम 13 अप्रैल से 25 अप्रैल तक आयोजित किया जाना है जिसके अंतर्गत दीपोत्सव, माल्यार्पण, विचार गोष्ठी के साथ सम्पन्न किया जाना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उईके लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं कैबिनेट मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह जनजातीय कार्य विभाग की उपस्थिति रहेगी। जहां मंत्री द्वय के द्वारा विचार गोष्ठी पर संवाद करेंगे। इस दौरान भाजपा के सभी कार्यकर्ता व पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ बैठा अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

मंडला। संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की लगातार तीसरे दिन की हडताल से जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हो गई है।जिले के सीएचओ के हडताल पर चले जाने से 311 आरोग्य केन्द्र पर ताला लटक गया है।137 संविदा एएनएम के हडताल पर होने से टीकाकरण ठप्प हो गया है।स्टाफ नर्स हडताल में शामिल हैं जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर जिला अस्पताल तक सेवाएं प्रभावित हो गई है। जानकारी के मुताबिक जिले के 700 से अधिक संविदा स्वास्थ्यकर्मी अपनी मांगो को लेकर 22 अप्रैल से हडताल पर चले गये है।गुरूवार को हडताल तीसरे दिन जारी रही।जिसमें सभी केडर के संविदाकर्मी पूरी एकजुटता के साथ शामिल होकर कलेक्ट्रेट मार्ग पर धरना दे रहे है।हडताल की वजह से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे अधिक सेवाएं प्रभावित हो गई है। ग्रामीण महिलाओं,गर्भवती महिलाओं को मुख्य रूप से सेवाएं देने वाले 311 आरोग्य केन्द्र में ताला पड गया है।

पाकिस्तान आतंकवादियों को पैदा करने वाला देश: उपमुख्यमंत्री

शहडोल। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, चिकित्सा शिक्षा मंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल डॉ. भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रबुद्धजन संगोष्ठी एवं वक्फ सुधार जनजागरण अभियान की बैठक को लेकर शहडोल पहुंचे थे जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहाँ की इससे ब?ी हृदय विदारक घटना कोई दूसरी हो नहीं सकती है, निर्दोष, निहत्थे लोगों को जो कश्मीर की वादियों में फुर्सत के क्षण बिताने परिवार के साथ गए हुए थे उनके साथ जिस प्रकार से कायराना हमला हुआ उसकी पूरे देश और दुनिया में भरसना हो रही है, प्रधानमंत्री जी ने पाकिस्तान के द्वारा समर्थित आतंकवादियो के द्वारा की गई घटना को बहुत ही गंभीरता से लिया है, और उन्होंने जो 5-6 प्रमुख निर्णय लिए हैं उससे निश्चित रूप से दुनिया भर के सामने पाकिस्तान एक्सपोज हो रहा है कि पाकिस्तान आतंकवादियों की फैक्ट्री बन गया है, पाकिस्तान कोई देश नहीं है यह आतंकवादियों को पैदा करने वाला देश है और निश्चित रूप से इसमें कड़ी कार्यवाही होगी पहले भी आपने देखा है पुलवामा एयर स्ट्राइक सर्जिकल स्ट्राइक जैसी घटनाओं से पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया है इस बार भी कोई कसर नहीं छो?गे। गौरतलब हैं पहलगाव में हुए आतंकी हमले से मारे गए 27 बेकसूर देशवासियों को लेकर पूरे देश में भयंकर आक्रोश देखा जा रहा है।देश का हर व्यक्ति पाकिस्तान और उसके आतंकवादी संगठनों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग लगातार कर रहा है वही देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार में कार्यक्रम के दौरान पूरी दुनिया को और पाकिस्तान और उसके आतंकवादियों को स्पष्ट चुनौती देते हुए उनके विरुद्ध भयंकर कार्यवाही की घोषणा खुले मंच से की है जिसके परिणाम आने वाले दिनों में किसी बड़ी कार्यवाही के रूप में देखने मिलेंगे।

अंधे कत्ल का एक माह बाद खुलासा दमोह देहात पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया पेश

जबलपुर नाका चौकी अंतर्गत हुई थी बुजुर्ग की हत्या

दमोह। पुलिस अधीक्षक दमोह एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह,नगर पुलिस अधीक्षक दमोह के निर्देशन में विवेचना करते हुये थाना दमोह देहात चौकी जबलपुर नाका के अन्तगर्त मारूताल टेक के पास दिनांक 09/03/25 की रात्रि मे मारूताल जबलपुर रोड पर दो अज्ञात व्यक्तियो द्वारा मृतक कमल सींग राजपूत के साथ मारपीट की गई थी जहा पर इलाज के दौरान कमल सींग राजपूत कि दिनांक 13/03/25 को मृत्यु हो गई थी थाना दमोह देहात पुलिस द्वारा लगातार विवेचना करते हुये विवेचना की कडिया जोडते हुए एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अंधे कत्ल का खुलासा कर अज्ञात आरोपियों की पहचान एवं तलाश कर दिनांक 24/04/25 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय एवं दूसरे विधि विवादित बालक को किशोर न्यायालय पेश किया गया।

अपराध क्र.-184/25 धारा-115,118(1),296,351(2), 3(5), इजाफा धारा 103(1) बी.एन.एस.

गिरफ्तार आरोपियों के नाम :- 1. संजू यादव पिता मन्नू यादव उम्र 19 वर्ष निवासी आमचौपरा थाना दमोह देहात। 2. विधि उल्लंघनकर्ता बालक।

इस दौरान आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी दमोह देहात निरीक्षक रचना मिश्रा, चौकी प्रभारी जबलपुर नाका सउनि आनंद कुमार, प्र. आर. 505 हरगोविंद, प्र.आर. 78 सचिन, प्र. आर. 762 दीपक, प्र.आर.376 नंदलाल, प्र.आर.276 सुमन यादव, प्र.आर. 144 संजय पाठक, आर 873 पवन, आर. 133 रूपेश यादव, आर. कुलदीप, म.आर. 18 निकिता सिंह, से. 56 महफूज, से. 127 साहवलाल, सै. 73 सुनील तिवारी, म.सै.96 रेखा, 165 प्रभा साइबर सेल से प्र. आर. सौरभ टंडन, राकेश अठ्या, की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मानव एकता दिवस - निष्काम सेवा का अनुपम संकल्प

संत निरंकारी मिशन ने विशाल रक्तदान शिविर लगाया बड़ी संख्या में आम जनों ने ब्लड डोनेशन किया

दमोह। प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता 'मानव एकता दिवस', निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष 24 अप्रैल को बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाता है। यह दिन केवल पुण्य स्मरण का अवसर नहीं, अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का एक आत्मिक संगम है।

मानव एकता दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा देशभर में रक्तदान शिविर की प्रेरक श्रृंखला आरंभ होती है, इसी श्रृंखला में आज 24 अप्रैल 2025 को संत निरंकारी मिशन की शाखा दमोह में विशाल रक्तदान शिविर संपन्न हुआ, इस शिविर का शुभारम्भ जबलपुर से आए हुए अथिति महात्मा रोहित आसवानी एवं सिंधी समाज अध्यक्ष अनिल कोटवानी और टीम द्वारा रिबन काटकर किया गया, शिविर में 104 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिसमें 65 भाई एवं 39 महिलाओं ने रक्तदान कर मानवता का सुंदर संदेश दिया, शिविर की सुंदर व्यवस्था ब्रांच दमोह संचालक राजकुमार सोनी एवं उनके पूरे सेवादल भाई बहिनों, स्वह्ष्ष्स्न मेंबर्स द्वारा सुंदर रूप से की गई वही जिला चिकित्सालय की पूरी डॉक्टर्स टीम के सहयोग से इस शिविर को संपन्न किया गया जो निःस्वार्थ सेवा भावना की सामूहिक जागृति का स्वरूप बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती रहती है। इसके साथ ही सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेम, शांति और समरसता का प्रकाश भी जन-जन तक पहुँचाया जाता है। यह दिन इस बात का परिचायक है कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, अपितु निष्काम समर्पण का आत्मिक भाव है। इस अवसर प्राची आहूजा नें बताया कि मुझे संत निरंकारी मंडल और सतगुरु माता जी से प्रेरणा मिली कि हमें ब्लड देना है और उन्हीं की शिक्षाओं का यह असर है उन्हीं से प्रेरणा मिली है मैं भी हर साल ब्लड डोनेशन करती हूं और मुझे पहले ब्लड की कमी रहती थी जब से मैंने मेरा ब्लड डोनेशन करना शुरू किया है तब से मेरा ब्लड बढ़ता जा रहा है और मुझे ब्लड डोनेशन करने के बाद बहुत अच्छा महसूस हो रहा है रक्तदान महादान रक्तदान जीवनदान है क्योंकि और हमारे बाबा जी की यही शिक्षा है की रक्त ना?ियों में वहे नालियों में न बहे।

अवैध निर्माण कार्य और अतिक्रमण को लेकर एसडीएम सहित नपा से शिकायत

सांध्य प्रकाश बैतूल। भैंसदेही में मां पूर्णा नदी के बीचो बीच अवैध रूप से एक कांक्रीट की दीवार खड़ी कर दिया गया है। नागरिकों ने एस डी एम तथा मुख्य नगर पालिका को शिकायत की है।

बताया कि महेश घिड़ोडे द्वारा मां पूर्णा नदी के बीचो बीच अवैध रूप से निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण से भविष्य में बाढ़ जैसी स्थिति बन सकती है।श्रद्धालु बताते है। स्थानीय नागरिक नदी में दशक्रिया, संस्कार करते हैं। अवैध निर्माण से वर्षा ऋतु में पुल और आस पास के इलाकों में बाढ़ की गंभीर स्थिति बन सकती है। इस स्थिति में बस्तियों में जलभ राव भी हो सकता है। विशेष रूप से शिव मंदिर के पुल और भीमपुर रोड पर पानी भरे जाने की संभावना है। बल्कि शनिवार का साप्ताहिक बाजार भी प्रभावित होगा। पत्र में उल्लेख किया है कि पटवारी नक्शे के अनुसार मां पूर्णा नदी की कुल चौड़ाई 50 फीट है। लेकिन अवैध निर्माण के कारण अब केवल 20 फुट पर पानी बह रहा है। नियम कहता है। नदी की धारा से पर्याप्त दूरी पर निर्माण प्रतिबंधित है। नागरिकों ने प्रशासन से अवैध निर्माण पर रोक लगाने एवं अतिक्रमण की मांग करी है।

कार्यालय जिला पंचायत दमोह

(महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम - म.प्र.)

मनरेगा योजनान्तर्गत पदस्थ जिला ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिकारी / परियोजना अधिकारी एवं नियंत्रणाधीन अमले को कार्यो के अनुश्रवण हेतु 01 पूल (बिलोरो) वाहन (बिलोरो) दर 20000/-रू. मात्र प्रतिमाह की आवश्यकता है। मय ड्राईवर सहित वाहन का पंजीयन 3 वर्ष से अधिक पुराना न हो जिसकी आवश्यकता है। अतः कोटेशन हेतु प्रेस विज्ञप्ति जारी की जाती है। संबंधित कोटेशन जिला पंचायत मनरेगा शाखा में 07 दिवस के अन्दर बंद लिफाफा में डॉक से भेजे जाये।

नियम व शर्ते कार्यालय में देखी जा सकती है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत दमोह

आरटीआई एक्टिविस्ट रामेश्वर लक्षणे का आरोप नपा नहीं दे रही आरटीआई की जानकारी

बैतूल नपा पर सूचना के अधिकार कानून के तहत जानकारी नही देने का आरोप

सांध्य प्रकाश बैतूल। भारत सरकार भी मानती है। कि सुचना का अधिकार कानून व्यवस्था का उपयोग होना जरूरी जिससे विभाग में चल रही गतिविधियों की जानकारी से देश का आम नागरिक भी जु?ा रहे। और अपने अधिकार का उपयोग करे। वहिं आर टी आई एक्टिविस्ट रामेश्वर लक्षणे ने नपा बैतुल पर सूचना के अधिकार के तहत जानकारी उपलब्ध नही करवाने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि 12 मार्च को एक उन्होंने एक लिखित आवेदन देकर मुख्य जानकारी मांगी थी। जो उनके लिए महत्त्वपूर्ण थी। जैसे नपा की पी आई सी की बैठक में स्वीकृत हुए प्रस्तावों से संबंधित सभी दस्तावेजों की सत्यापित प्रतियां प्राप्त करने के लिए निर्धारित शुल्क किया था। बाउजूद समय पर जानकारी उपलब्ध नही करायी गई। जो विभाग पर सब संदेह किया जा रहा है। शिकायत कर्ता रामेश्वर ने बताया कि वे पेशे से पत्रकार है। मांगी गयी मुख्य जानकारी उपलब्ध न कराना आरटीआई कानून का उल्लंघन है। अब चर्चा करने पर नपा अधिकारी जवाब देने पर कतरा रहे है। कहा कि ये आम आदमी के अधिकारों का हनन है। श्री लक्षणे मामले मे उच्च अधिकारियों मिलकर चर्चा करेंगे। कहा कि शासन को लोक सूचना अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पदों पर केवल योग्य, संवेदन शील, जवाब देह अधिकारियों की नियुक्ति करना चाहिए था। ताकि सूचना का अधिकार कानून से आम जनता वंचित ना रहे।

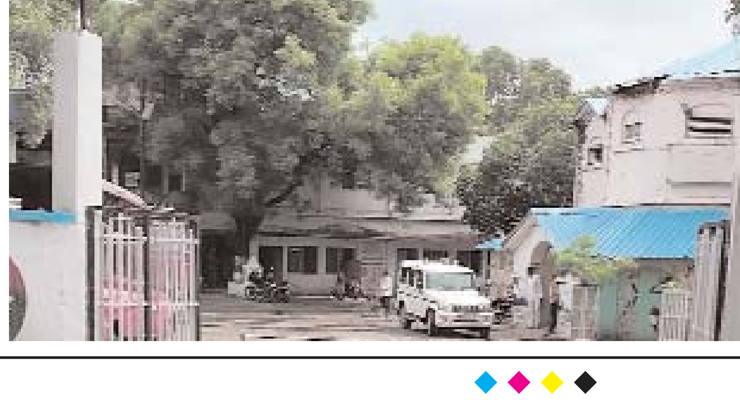

कार्यालय नगर निगम, भोपाल

जोन क्रं. 18

निविदा आमंत्रण घोषणा-पत्र

क्रं. 06/याँ.वि./2025 भोपाल, दिनांक 23/04/2025

निम्तलिखित निर्माण कार्य हेतु परसेन्टेज रेट मोहरबंद निविदायें निर्धारित प्रपत्र पर ऑनलाईन आमंत्रित की जाती है।

क्रं.	ऑनलाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राशि	ठेकेदार श्रेणी	निविदा कय करने का अंतिम दिनांक	समय
1.	2025_UAD_407803_2	CONST. OF DRAIN NEAR KOLAR KIRANA STORES AT DAMKHEDAA SECTOR. W-80, Z-18. SECOND CALL	3,36,723/-	as per centraliz ed regi stra tion	29-04-25	5.30 PM

नियम व शर्ते :-1. निविदा प्रपत्र की निर्धारित राशि एवं धरोहर राशि एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज आनलाईन प्रस्तुत करने होंगे एवं अन्य समस्त विस्तृत जानकारी www.mptenders.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

नि.क्र. 1695/0251026

सहायक यंत्री (सिविल)
नगर निगम भोपाल

रिफेक्स इंडस्ट्रीज़ ने एफवाय25 में शुद्ध लाभ में 88 प्रतिशत की जबरदस्त वार्षिक वृद्धि दर्ज की

चेन्नई, एजेंसी। रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो कि राख और कोयला प्रबंधन, रेफ्रिजरेंट गैसों और ग्रीन मोबिलिटी जैसे विविध क्षेत्रों में सक्रिय अपने गतिशील पोर्टफोलियो के माध्यम से भारत के हरित परिवर्तन को गति दे रही है, कंपनी ने क्यू4 और एफवाय25 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है जो इसके एक सतत और टिकाऊ भविष्य की ओर एक और महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। रिफेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अनिल जैन ने टिप्पणी करते हुए कहा वित्त वर्ष 2024-25 हमारे सफर का एक और ऐतिहासिक पड़ाव है, जहाँ हम रिफेक्स को सतत और भविष्य-केंद्रित विकास की दिशा में मजबूती से आगे ले जा रहे हैं। हमारा प्रदर्शन हमारी विविध व्यावसायिक संरचना की ताकत और प्रमुख क्षेत्रों में की गई रणनीतिक पुनर्संरचना का प्रमाण है इस वर्ष, हमने अपने ग्रीन मोबिलिटी वर्टिकल को मजबूत और विस्तारित करने के लिए निर्णायक कदम उठाए यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें हम दीर्घकालिक विकास के लिए सक्रिय रूप से निवेश कर रहे हैं। बेंगलुरु में हमारे एयरपोर्ट टैक्सी संचालन को चरणबद्ध रूप से बंद करना, हमारे बी2बी और बी2बी2सी अवसरों पर केंद्रित रणनीति का हिस्सा है जहाँ हमारा ध्यान अब स्थिर मांग और दीर्घकालिक साझेदारियों पर है।

एचपी ने भारत में बिजनेस एवं कंज्यूमर सेगमेंट में पेश किए नेक्स्ट-जेनरेशन एआई पीसी

मुंबई, एजेंसी। एचपी ने भारत में नेक्स्ट-जेन एआई पीसी की अपनी सबसे शक्तिशाली एवं व्यापक लाइनअप का अनावरण किया। नई एचपी इलाइटबुक, एचपी प्रोबुक और एचपी ओमनीबुक सीरीज को बड़ी कंपनियों, स्टार्टअप्स एवं रिटेल यूजर्स की कंप्यूटिंग क्षमता को बेहतर बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इंटेल कोर अल्ट्रा 200 वी सीरीज, एएमडी राइजन एआई 300 सीरीज और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन एक्स, एक्स इलाइट, एक्स प्लस समेत नवीनतम प्रोसेसर्स, से लैस इस पोर्टफोलियो में डेडिकेटेड न्यूरल प्रोसेसिंग यूनिट (एनपीयू) दी गई है, जिसकी क्षमता 40 से 55 ट्रिलियन ऑपरेशंस प्रति सेकेंड (टीओपीएस) है। कोपायलट+ पीसी के तौर पर इस सीरीज से कोर कंप्यूटिंग एक्सपीरियंस, उत्पादकता बढ़ाने, क्रिएटिविटी और शक्तिशाली तरीके से कोलैबोरेशन में एआई का प्रयोग हो सकेगा।एचपी इंडिया की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर इप्सिता दासगुप्ता ने कहा, 'भारत अपने डिजिटल सफर के बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां एआई, क्लाउड और कनेक्टिविटी से यह निर्धारित हो रहा है कि हम कैसे जीते हैं, सीखते हैं और काम करते हैं। दुनिया के सबसे बड़े डेवलपर बेस और तेजी से बढ़ते यूजर इकोसिस्टम के साथ भारत एआई क्रांति का नेतृत्व करने की स्थिति में है।

अक्षय तृतीया पर फ़ोनपे का तोहफ़ा कैशबैक मिलेगा पक्का

मुंबई, एजेंसी। फ़ोनपे ने अक्षय तृतीया के मौके पर 24 कैरेट डिजिटल गोल्ड पर आकर्षक कैशबैक ऑफ़र्स की घोषणा की है। यूज़र्स को फ़ोनपे के प्लेटफॉर्म पर कम से कम 2000 या इससे अधिक के डिजिटल गोल्ड की वन-टाइम ख़रीदारी पर फ़्लैट 1त्न कैशबैक (2000 तक) मिलेगा। यह ऑफ़र केवल 30 अप्रैल को किए गए वन-टाइम ट्रांज़ेक्शन पर लागू होगा (प्रत्येक यूज़र के लिए केवल एक बार लागू)। इस ऑफ़र का लाभ लेने के लिए यूज़र्स यूपीआई, यूपीआई लाइट, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड, वॉलेट और गिफ़्ट कार्ड जैसे कई पेमेंट विकल्पों के ज़रिए पेमेंट कर सकते हैं। यूज़र्स फ़ोनपे प्लेटफ़ॉर्म पर 99.99 प्रतिशत शुद्धता के साथ 24 कैरेट प्योरिटी- सर्टिफ़ाइड डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं। ये डिजिटल गोल्ड, एमएमटीसी-पीएएमपी, सेफगोल्ड और कैरेटलेन जैसी इस सेक्टर की प्रमुख और भरोसेमंद कंपनियां उपलब्ध करा रही हैं। पूरे भारत में 1.2 करोड़ से अधिक ग्राहक फ़ोनपे प्लेटफ़ॉर्म पर उच्च शुद्धता वाला 24के गोल्ड खरीद चुके हैं। वन-टाइम खरीदारी के अलावा, फ़ोनपे यूज़र्स को डिजिटल गोल्ड में निवेश करने का भी अवसर देता है, जो कि डेली या मंथली एसआईपीएस के ज़रिए किया जा सकता है।

डीएस ग्रुप ने हासिल किया 10,000 करोड़ का ऐतिहासिक राजस्व

नई दिल्ली । अग्रणी एफएमसीजी समूह और बहुव्यवसायी कॉर्पोरेशन, धर्मपाल सत्यपाल ग्रुप (डीएस ग्रुप) ने वित्त वर्ष 2024-25 में 10,000 करोड़ के ऐतिहासिक राजस्व को पार कर लिया है, जिससे यह भारत की शीर्ष 15 एफएमसीजी कंपनियों में शामिल हो गया है। इस उपलब्धि में सबसे बड़ा योगदान खाद्य एवं पेय सेगमेंट का रहा, जो कुल राजस्व का 42 प्रतिशत है। इसके बाद माउथ फ्रेशनर सेगमेंट 38 प्रतिशत, हॉस्पिटैलिटी 3 प्रतिशत और अन्य व्यवसायों का संयुक्त योगदान रहा, जिसमें तंबाकू सेगमेंट का हिस्सा 10 प्रतिशत से भी कम है। पिछले तीन वर्षों में डीएस ग्रुप ने 16 प्रतिशत की सीएजीआर दर से सतत विकास किया है।

चॉइस इंटरनेशनल ने वित्त वर्ष 2025 में दर्ज की 21 प्रतिशत की शानदार वार्षिक वृद्धि, कुल आय पहुँची 922 करोड़ रुपए

मुंबई, एजेंसी। देश की अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनियों में से एक, चॉइस इंटरनेशनल लिमिटेड (सीआईएल या चॉइस), ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष और चौथी तिमाही के लिए अपने मजबूत वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने साल-दर-साल 21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कुल 922 करोड़ रुपये की आय दर्ज की, जो पिछले वर्ष 759 करोड़ रुपये थी ।वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में कंपनी की कुल आय 255 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 216 करोड़ रुपये थी, जिसमें 18 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। एबिट्डा इस तिमाही में 98 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 69 करोड़ रुपये था, यानी 42 प्रतिशत की वृद्धि। एबिट्डा मार्जिन भी बढ़कर 38.54 प्रतिशत हो गया, जो पिछले साल 32.05 प्रतिशत था। वहीं, तिमाही का शुद्ध लाभ 53 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक है। वार्षिक स्तर पर देखा जाए तो कंपनी का एबिट्डा 296 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल 228 करोड़ रुपये था, यानी 30 प्रतिशत की वृद्धि। एबिट्डा मार्जिन 32.10 प्रतिशत रहा जो कि पिछले वर्ष 30.00 प्रतिशत था। सालाना शुद्ध लाभ 163 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 131 करोड़ रुपये था, इस प्रकार 24 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 17.65 प्रतिशत का पीएटी मार्जिन दर्ज किया गया। कंपनी की आय संरचना में स्टॉक ब्रोकिंग का 62 प्रतिशत, एडवाइजरी सेवाओं का 26 प्रतिशत और एनबीएफसी का 12 प्रतिशत योगदान रहा। डीमैट खातों की संख्या में 28 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई, जो अब 10.86 लाख हो गई है। स्टॉक ब्रोकिंग के लिए, रू 41,100 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। वेल्थ प्रोडक्ट्स के लिए रूमें उल्लेखनीय 793 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 5,577 करोड़ रुपये रहा। बीमा प्रीमियम भी 49 प्रतिशत बढ़कर 93 करोड़ रुपये हो गया,।

प्रधानमंत्री मोदी बोले- इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाए, उत्पादन बढ़ाएं और नवाचार अपनाएं

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टील उद्योग के प्रतिनिधियों से कहा कि मजबूत, हितकारी बदलावों को तेजी से आगे बढ़ाने वाला और इस्पात जैसा सुदृढ़ भारत बनाने के लिए साथ मिलकर काम करें। उद्योग को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ हमें नई तकनीकी को अपनाने, नवाचार करने, सर्वोत्तम गतिविधियों का आदान-प्रदान करने और कोयला आयात में कमी लाने की दिशा में ध्यान देना चाहिए। पीएम ने बृहस्पतिवार को इंडिया इस्पात 2025 कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, इस्पात उभरता हुआ क्षेत्र होने के साथ विकास की रीढ़ है। 2030 तक 30 करोड़ टन का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें इस्पात उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। 2023-24 में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता 17.9 करोड़ थी। प्रधानमंत्री ने संबोधन में यह भी कहा, इस्पात उत्पादन बढ़ाने के लिए अप्रयुक्त नई खदानों से लौह अयस्क निकालने का प्रयास शुरू करना चाहिए। इन खदानों का उचित और समय पर उपयोग किया जाना महत्वपूर्ण है। ऐसा नहीं होने पर देश और उद्योग दोनों को नुकसान होगा। पीएम ने कहा, देश 1,300 अरब डॉलर की राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन को भी आगे बढ़ा रहा है। बड़े पैमाने पर स्मार्ट सिटी बनाए जा रहे हैं।?सड़कों, रेलवे, एयरपोर्ट, बंदरगाहों और पाइपलाइन में विकास की गति इस्पात क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। बड़ी परियोजनाओं की बढ़ती संख्या इस्पात की मांग को बढ़ाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत न सिर्फ घरेलू वृद्धि के बारे में, बल्कि इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व के बारे में भी सोच रहा है। दुनिया भारत को उच्च गुणवत्ता वाले इस्पात के एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में देखती है। देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ा रही सरकार अपने अनुबंधों में स्थानीय रूप से विनिर्मित इस्पात के उपयोग पर जोर दे रही है। मोदी ने कहा, इस्पात क्षेत्र अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें युवाओं को रोजगार देने की क्षमता है। हमें ऊर्जा दक्षता, कम उत्सर्जन और डिजिटल रूप से उन्नत प्रौद्योगिकियों की ओर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत है। एआई, ऑटोमेशन का उपयोग उद्योग के भविष्य को परिभाषित करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, कच्चे माल हासिल करना और उसकी सुरक्षा इस्पात क्षेत्र के लिए एक बड़ी चिंता है। हम अब भी निकल, कोकिंग कोयला और मैंगनीज के लिए आयात पर निर्भर हैं। यह निर्भरता कम करने के लिए हमें वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के साथ आपूर्ति व्यवस्था को सुरक्षित करने और प्रौद्योगिकी को उन्नत बनाने पर ध्यान देना चाहिए। पीएम ने कहा, देश निर्यात बाजार पर नजर रखते हुए आधुनिक व बड़े जहाज बनाने की महत्वाकांक्षा रखता है। ऐसे कार्यों के लिए उच्च श्रेणी के इस्पात की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, इस्पात के मामले में आयात को शून्य स्तर पर लाने व शुद्ध निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य होना चाहिए।

स्वास्थ्य संस्थाओं में मानव अधिकारों से संबंधित सेवाओं का लिया जा रहा फीडबैक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग नई दिल्ली के विशेष प्रतिनिधि श्री उमेश कुमार शर्मा द्वारा 24 अप्रैल को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रातीबड़ का दौरा किया गया। इस दौरान उन्होंने संस्था में नागरिकों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग दिल्ली द्वारा मानव अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर जांच, निगरानी, सलाह और रिपोर्ट देने के संबंध में स्वास्थ्य संस्थाओं का मूल्यांकन किया जा रहा है। मूल्यांकन में जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सिविल डिस्पेंसरी , संजीवनी क्लिनिक का दौरा कर मरीजों एवं हितग्राहियों को दी जा रही सेवाओं का फीडबैक लिया जा रहा है। मानव अधिकार आयोग के स्पेशल रेपोर्टर श्री शर्मा ने मूल्यांकन के दौरान मरीजों के अधिकार, भोजन, पेयजल, कूलर, पंखे, बिस्तर, लैबोरेटरी, साफ सफाई, शौचालय , दिव्यांग मरीजों की सुविधा, हितग्राहियों के लिए जागरूकता सत्रों का आयोजन, गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, मरीज की आवश्यकता के अनुसार निर्धारित समय पर सेवाएं, नियमित फॉलोअप, महिलाओं और बुजुर्गों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग द्वारा मरीजों को दी जा रही सेवाओं का मूल्यांकन करवाया जा रहा है। नागरिकों के स्वास्थ्य अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा सेवाओं के साथ साथ वैलनेस गतिविधियों के अंतर्गत स्वस्थ जीवन शैली, उचित खान-पान, योग प्राणायाम इत्यादि गतिविधियां भी करवाई जाती है, जिससे उनके जीवन गुणवत्ता बेहतर हो सके।

बायोलॉजिकल्स के उन्नत उपयोग से किसानों को सशक्त बनाने सिंजेंटा इंडिया में पेश की अपनी कार्य योजना

भोपाल। सभी के लिए खाद्य सुरक्षा और सस्ताभोजन उपलब्ध हो, इसके लिए किसानों को वर्ष 2050 तक 50 प्रतिशत अधिक फसलें उगानी होंगी। इस लक्ष्य को सतत कृषि समाधानके जरियेहासिल करने के उद्देश्य से, सिंजेंटा इंडिया ने बुधवार को नई दिल्ली में आयोजितबायोएग वर्ल्ड कांग्रेस में विज्ञान आधारित बायोलॉजिकल उत्पादों के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने के लिए अपनी कार्ययोजनापेश की । सिंजेंटा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के कंट्री हेड एवं मैनेजिंग डायरेक्टर सुशील कुमार ने कहा, %खेती कई जटिल चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे मेंपर्यावरण-अनुकूल और संतुलित खेती सुनिश्चित करने के लिए हमें बहु-आयामी रणनीति अपनानी होगी। नए बायोलॉजिकल उत्पाद हमारे उन सर्वोत्तम उपायों में से एक हैं, जो मिट्टी की गुणवत्ता को सुधारते हैं, फसलों की सहनशक्ति बढ़ाने और किसानों को समग्र समाधान देने के लिए बनाए गए हैं। सुशील कुमार ने टेक्नॉलजी की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में किसान कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने 2026 के लिए डेवलपमेंट लीडरशिप में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा की प्रवेश प्रक्रिया शुरू की

बेंगलुरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु ने डेवलपमेंट लीडरशिप प्रोग्राम में पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश 2026 की प्रक्रियाएं शुरू कर दी हैं। जिनकी आवेदन की अंतिम तारीख मई 31, 2025, लिखित असाइनमेंट और इंटरव्यू जून-जुलाई 2025कक्षाओं की शुरुआत जनवरी, 2026 का पहला सप्ताह*तिथियाँ संभावित हैं। प्रोग्राम की खासियत, यह डिप्लोमा 11 महीनों का एक पार्ट टाइम प्रोग्राम है। इसे ऐसे डिजाइन किया गया है कि एडमिशन लेने वाले लोग अपने मौजूदा काम और अपने जॉब को जारी रखते हुए इसे पूरा कर सकें। तीन सत्रों का यह प्रोग्राम कैम्पस में पढ़ाई और ऑनलाइन लर्निंग का एक बेहतरीन मेल है। किसे प्रवेश लेना चाहिए? यह प्रोग्राम मध्य से वरिष्ठ स्तर के पेशेवर लोगों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यह उन पेशेवर लोगों के लिए है जो डेवलपमेंट सेक्टर में आठ या उससे अधिक सालों का अनुभव रखते हैं और अपनी संस्थाओं में नेतृत्वकारी भूमिका में हैं या जल्दी ही ऐसी भूमिका ग्रहण करने वाले हैं। यह उन लोगों के लिए भी है, जो एन जी ओ, सामाजिक गतिविधियों और जमीनी संस्थाओं में काम कर रहे हैं। स्कूल ऑफ़ डेवलपमेंट की डायरेक्टर अरिमा मिश्रा ने कहा कि यह प्रोग्राम डेवलपमेंट सेक्टर के मध्य और वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों को विकास के व्यापक परिप्रेक्ष्य में अपने अनुभवों को देखने-समझने और उन्हें लागू करने का मौका देता है।अपने काम को बेहतर ढंग से करने और नेतृत्व की अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में यह प्रोग्राम ऐसे पेशेवरों की मदद करता है। एडमिशन लेने वालों के लिए यह प्रोग्राम- भारत में विकास की वास्तविक स्थितियों को प्रभावित करने वाली ऐतिहासिक प्रक्रियाओं और जीवन परिस्थितियों के बारे में अपने नजरिये को ठोस बनाने मेंमददगार होगा, तावे अपना काम बेहतर ढंग से कर सकें। निष्पक्षता, न्याय और टिकाऊपन को बढ़ावा देने वाले विकास के वैकल्पिक दृष्टिकोणों और नतीजों की कल्पना करने में मददगार होगा।

इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2 करोड़ के पुरस्कार पूल के साथ पुणे में लेकर आ रहा ईस्पोर्ट्स शोडाउन

पुणे , एजेंसी। भारत के अग्रणी गेम डेवलपर सुपरगेमिंग, 18 मई, 2025 को ड्रोम एरिना, पुणे में इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट (आईआईटी) के भव्य एलएएन फिनाले की मेजबानी करने के लिए तैयार है। यह फिनाले भारत के सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंटों में से एक का समापन है, जिसमें भारत के स्वदेशी इंडो-फ्यूचरिस्टिक बैटल रॉयल टाइटल इंडस बैटल रॉयल में जमीनी स्तर की प्रतिभाओं, राष्ट्रीय दावेदारों और वैश्विक ईस्पोर्ट्स टीमों की यात्रा का जश्न मनाया जाएगा।2.5 करोड़ रुपये के कुल पुरस्कार पूल के साथ, इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट को वैश्विक ईस्पोर्ट्स मानचित्र पर भारतीय प्रतिभाओं को सामने लाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फिनाले में होमग्रोन, नेशनल, पावरप्ले और इंटरनेशनल चरणों की 15 शीर्ष टीमें गौरव और 2 करोड़ रुपये के चैंपियनशिप पुरस्कार के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। सुपरगेमिंग के सह-संस्थापक और सीईओ रॉबी जॉन ने कहा, इंडस इंटरनेशनल टूर्नामेंट भारतीय ईस्पोर्ट्स के भविष्य को जमीन से ऊपर उठाने का हमारा तरीका है। यह केवल पेशेवरों के बारे में नहीं है - यह जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धा करने, बढ़ने और अपने जुनून को पेशे में बदलने के लिए एक वास्तविक मंच देने के बारे में है। हम चाहते हैं कि इंडस ईस्पोर्ट्स सितारों की अगली लहर के लिए शुरुआती बिंदु बने - देश के हर कोने से वैश्विक मंच तक।

टाइटन कपनी लिमिटेड ने किया टाइटन वनम का उद्घाटन

बैंगलुरू , एजेंसी। टाइटन कंपनी लिमिटेड ने तमिलनाडु के होसुर स्थित थोरापल्ली में एक व्यापक वृक्षारोपण पहल टाइटन वनम का उद्घाटन किया; जिसके तहत पहले से 45 एकड़ बंजर चरागाह पोरामबोक्कु ज़मीन को तकरीबन 120 से अधिक देशी प्रजातियों के साथ जंगल में बदला जा चुका है। वनम, हरित कवर में सुधार लाने की दिशा में टाइटन के स्थायी प्रयासों की पुष्टि करता है, जिसका अनावरण श्री सीके वेंकटरमन, मैनेजिंग डायरेक्टर- टाइटन, श्री एनई श्रीधर, चीफ़ सस्टेनेबिलिटी ऑफिसर-टाईटन, टीएमटी वीआर लथा, प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एवं सैशन जज, कृष्णागिरी, श्री दिनेश कुमार, कलेक्टर, कृष्णागिरी ज़िला, मिस आरए प्रियंगा, सब-कलेक्टर- कृष्णागिरी और श्री यशवंत अंबुलकर, असिस्टेन्ट कन्ज़र्वेटर ऑफ फॉरेस्ट- तमिलनाडु की मौजूदगी में किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान बायोटासॉयल फाउन्डेशन, मीडियर अर्थ, स्थानीय ओद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं सामुदायिक लीडर्स भी मौजूद रहे। दिसम्बर 2024 में शुरू की गई इस परियोजना के तहत मीडियस अर्थ के तकनीकी मार्गदर्शन और बायोटासॉयल फाउन्डेशन की विशेषज्ञता में तुरंत वृक्षारोपण शुरू किया गया। अब तक दो रेस्टोरेशन साईट्स- थोरापल्ली (33 एकड़) और बिल्लानाकुप्पम (12.5 एकड़) में 208,000 से अधिक पौधे उगाए जा चुके हैं। बेसलाईन इकोलोजिकल सर्वे के द्वारा पौधों की 241 मौजूदा प्रजातियों को पहचाना गया। इसके अलावा लक्षित प्रजाति प्रबन्धन ने क्षेत्र में स्थानीय प्रजातियों के स्वस्थ विकास का मार्ग प्रशस्त किया है।

एआईसी-बिम्सटेक ने भारतीय स्टार्ट-अप्स को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए ग्लोबल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ साझेदारी की

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। भारत के स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को एक नई गति देने के लिए, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी के अटल इनक्यूबेशन सेंटर ने ग्लोबल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित इंटरनेशनल स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव के दौरान हुआ, जहां स्मार्ट शहरी विकास के भविष्य पर विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया। यह साझेदारी भारतीय स्टार्ट-अप्स को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ने का लक्ष्य रखती है, जिससे उन्हें वैश्विक व्यापार नेटवर्क, नवाचार प्लेटफॉर्म और सीमापार सीखने के अवसरों तक विशेष पहुंच प्राप्त होगी, विशेषकर उन देशों में जहाँ ग्लोबल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सक्रिय है। साथ ही, यह समझौता प्रशिक्षण कार्यक्रमों, नवाचार मंचों और व्यवसाय नेटवर्किंग के अवसरों के सह-विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा। दोनों संस्थान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फंडिंग के अवसरों की भी खोज करेंगे, ताकि स्टार्ट-अप्स को समर्थन मिल सके। डॉ. प्रवीणा राजीव, निदेशक, बिम्सटेक ने कहा, हमारा संस्थान उद्यमशीलता की सोच को पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा ध्यान ऐसे संसाधन प्रदान करने पर है जो नवोदित उद्यमियों की आवश्यकताओं को पूरा करें। यह साझेदारी उद्यमिता, ज्ञान-साझाकरण और व्यावसायिक शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने विशिष्ट कार्यक्रमों, मार्गदर्शन और निवेशकों से जुड़ाव के माध्यम से रोजगार सृजन की अर्थव्यवस्था बनाना जारी रखेंगे। ग्लोबल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सह-संस्थापक और सीईओ इंजीनियर आशीष गुप्ता ने कहा, यह साझेदारी वैश्विक व्यापार सहयोग को आगे बढ़ाने और स्टार्ट-अप को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पनपने के लिए आवश्यक प्रणाली और जोखिम से लैस करने के जीसीसीआई के दृष्टिकोण को पुष्ट करती है। हम वैश्विक व्यापार सहयोग को बढ़ाने और स्टार्ट-अप्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर सफल होने के लिए आवश्यक प्रणाली और अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

हर्निया एक आम समस्या जिसे नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

भोपाल । कल्पना कीजिए कि आपके पेट या कमर के पास एक छोटी सी सूजन दिखाई देती है, जो कभी-कभी लेटने पर गायब हो जाती है। एम.एस. जनरल एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन, और कोलोरेक्टल सर्जनगायत्री स्वरूप हॉस्पिटल, भोपाल डॉ. चिराग शांति दौसाजे, का कहना है शुरुआत में यह ज्यादा गंभीर नहीं लगती, लेकिन समय के साथ यह बढ़ सकती है, दर्द दे सकती है और गंभीर समस्याएं भी पैदा कर सकती है। इसे हर्निया कहा जाता है एक ऐसी स्थिति जिससे दुनियाभर में लाखों लोग प्रभावित होते हैं, लेकिन लोग इसे तब तक नजरअंदाज करते हैं जब तक कि यह और ज्यादा न बढ़ जाए। हर्निया तब होता है जब कोई अंग या टिशु, मांसपेशी या कनेक्टिव टिशु की कमजोर जगह से बाहर निकल आता है। यह आमतौर पर एक उभरी हुई सूजन के रूप में दिखाई देता है, खासकर जब आप खड़े होते हैं, खांसते हैं या भारी सामान उठाते हैं। कुछ हर्निया केवल हल्की असहजता देते हैं, लेकिन अगर समय रहते इलाज न हो तो ये गंभीर दर्द और जटिल समस्याओं का कारण बन सकते हैं। डॉ. चिराग शांति दौसाजे, का कहना है हर्निया शरीर के विभिन्न हिस्सों में विकसित हो सकता है। एम.एस. जनरल एंड लेप्रोस्कोपिक सर्जन, और कोलोरेक्टल सर्जनगायत्री स्वरूप हॉस्पिटल, भोपाल डॉ. चिराग शांति दौसाजे, का कहना है, मिनिमली इनवेसिव तकनीकों और मेश रीइन्फोर्समेंट की बदौलत आज हर्निया सर्जरी पहले से कहीं अधिक सफल हो गई है।

स्टार बिग ब्लॉक बिल्डिंग मटेरियल लिमिटेड को इंदौर में भारत के सबसे बड़े एसीसी ब्लॉक प्लांट के लिए मंजूरी मिली

सूरत , एजेंसी। भारत में एरेटेड ऑटोक्लेव्ड कंक्रीट ब्लॉक, ईंटों और एएलसी पैनलों के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक, बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की पूर्ण मालिकी वाली सहायक कंपनी स्टारबिगब्लॉक बिल्डिंग मटेरियल लिमिटेड को इंदौर, मध्य प्रदेश में अपनी आगामी परियोजना के लिए सभी आवश्यक अप्रूवल्स मिल चूके है । इसमें नगर नियोजन भी शामिल है। अधिग्रहित भूमि के लिए मंजूरी (टीपीसी), भूमि पंजीकरण, ग्राम पंचायत अप्रूवल और नोन-एग्रिकल्चरल (एनए) आदेश भी प्राप्त कर लिया गया हैं। इन स्वीकृतियों के साथ, कंपनी प्रस्तावित स्थल पर भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड एएसी ब्लॉक विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए तैयार है, जो इसकी विस्तार योजना में एक प्रमुख सीमाचिह्न साबित होगा और टिकाऊ निर्माण सामग्री क्षेत्र में इसके नेतृत्व को मजबूत करेगा।

फरवरी 2025 की शुरुआत में, कंपनी ने मध्य भारत में एएसी ब्लॉक्स व्यवसाय विस्तार के उद्देश्य से खसरा नंबर 382, 387, 389/2, ग्राम निमरानी, तहसील कासरवाड़, जिला - खरगोन, मध्य प्रदेश में लगभग 57,500 वर्ग मीटर भूमि का अधिग्रहण किया था। भूमि सौदे की कुल कीमत 6 करोड़ रुपये और स्टाम्प ड्यूटी है। कंपनी का लक्ष्य इस स्थल पर एएसी ब्लॉकों के लिए भारत की सबसे बड़ी ग्रीन फील्ड सुविधा का निर्माण करना है। स्टारबिगब्लॉक बिल्डिंग मैटेरियल्स लिमिटेड वर्तमान में अहमदाबाद के पास खेड़ा में एक विनिर्माण सुविधा संचालित करती है, जिसकी स्थापित क्षमता 2,50,000 घन मीटर प्रति वर्ष है। यह संयंत्र गुजरात के प्रमुख भागों को कवर करते हुए एक व्यापक बाजार की प्रभावी रूप से पूर्ति करता है तथा इसकी पहुंच राजस्थान के उदयपुर और मध्य प्रदेश के इंदौर तक है। तीसरी तिमाही में कंपनी ने 75 प्रतिशत का पूंजी उपयोग बेंचमार्क पार कर लिया। हालाँकि, इसके लिए चल रही योजनाओं के साथ, स्टार बिग ब्लॉक मध्य प्रदेश और पड़ोसी क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के निदेशक और मुख्य वित्तीय अधिकारी, श्री मोहित साबू ने कहा, हमें मध्य प्रदेश में नए प्लांट के लिए सभी आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त होने पर खुशी है और हम जल्द ही इस पर काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं। एएसी ब्लॉक उद्योग भारत में निर्माण क्षेत्र में एक प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है और हमारी कंपनी एक महत्वपूर्ण छलांग लगाने के लिए तैयार है।

इंदौर, मध्य प्रदेश में प्रस्तावित विस्तार हमारी विकास रणनीति के अनुरूप है, जो भौगोलिक विस्तार, अनुसंधान और विकास निवेश, उत्पाद विविधीकरण और रणनीतिक ब्रांडिंग और विपणन पहलों पर केंद्रित है ताकि इसकी दृश्यता बढ़े, बाजार में हिस्सेदारी बढ़े और हितधारकों का विश्वास मजबूत हो।

आधार फाउंडेशन ने की नि:शुल्क वैशाखी वितरण

छिंदवाड़ा - केविन केयर एबिलिटी अवार्ड राष्ट्रीय पुरूस्कार से सम्मानित दिव्यांगजनों की सेवा में समर्पित संस्था आधार फाउण्डेशन पोआमा छिंदवाड़ा के द्वारा बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगजनों के लिये संचालित पुर्नवास एवं विकास केन्द्र द्वारा गरीब बेसहारा दिव्यांग महिला मालती साहू को बैशाखी निः शुल्क सप्रेम भेंट की। आधार फाउण्डेशन की संचालिका एवं अध्यक्ष सरिता पांडे ने बताया संस्था विगत 2011 से दिव्यांग जन के लिये कार्य कर रही है। इसी श्रृंखला में आज छिंदवाड़ा निवासी मालती साहू को बैशाखी प्रदान की गई। बैशाखी दिलाने में समाजसेवी संतोषी गजभिये का विशेष सहयोग रहा, संतोषी गजभिये द्वारा कई वर्षो से महिलाओं के उत्थान के लिये लगातार कार्य किया जा रहा है। बैशाखी पाकर मालती साहू ने प्रसन्नता जाहिर की एवं आधार फाउण्डेशन एवं समाजसेवी संतोषी अनिल गजभिये का आभार माना।

ताज नगर के नाले पर पुनः हुआ अतिक्रमण

छिंदवाड़ा। नेताओं व दबंगो द्वारा शासकीय जमीनों में कब्जा कर बैखोफ मकान बनाए जाने का क्रम रूक नहीं रहा और बेखौफ मकान बनाए जा रहे हैं, चाहे फिर वह नाले पर ही क्यों न हो। वहीं कुछ दबंग तो शासकीय जमीनों पर कब्जा कर जमीन का विक्रय करने में लगे हैं। लेकिन इसके बाद भी जिला प्रशासन सहित नगर निगम इस ओर ध्यान देने को खाली नहीं है, ऐसे ही कुछ नेताओं व दबंगो की वजह से वार्ड नंबर 10 ताज नगर का नाला जो कि नक्शे में 22 फिट बताया जा रहा है लेकिन मौके पर जायजा लिया जाये तो वास्तव में यह नाला मात्र 10 फिट तो कहीं 5 फिट की नाली बनकर रह गया है। ज्ञात हो कि वार्डवासियों ने इसकी शिकायत पूर्व में भी नगर निगम आयुक्त को करने पर नाले पर किये गये अतिक्रमण को हटाया भी गया परंतु नेताजी की दबंगता के चलते निगम की कार्यवाही मायना नहीं रखती, पुनः नाले पर अतिक्रमण हो गया है। वार्डवासियों ने बताया कि यदि नाले पर शीघ्र ही अतिक्रमण नहीं हटाया जाता है तो आगामी बारिस के दिनों में वार्डवासियों के घरों में गंदा पानी एवं जहरीले जीव जन्तु तो घुसेंगे ही वहीं दूसरी ओर गंभीर बीमारियों के फैलने की आशंका है एवं आवागमन का रास्ता जो कि पूर्व से ही मिट्टी वाला है इस नाले का संपूर्ण पानी रोड पर आने से बारिस में वार्डवासियों का आवागमन ही बंद होने की संभावना है। इसलिये समस्त वार्डवासियों ने नाले पर किये गये अतिक्रमण को तत्काल हटाने की मांग की है।

ग्रामीण किसानों को ऋण संबंधी जानकारी से कराया गया अवगत

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगरीय क्षेत्र में संचालित सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया अमरवाड़ा द्वारा ग्राम कुदवारी में

कृषक संध्या कार्यक्रम के अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों के हित में चलाई जाने वाली विभिन्न योजनाओं एवं बैंक ऋण की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में केसीसी ऋण को निर्यायत रूप से चलाने, पशुपालन ऋण, पीएमएफएमएफ ऋण एवं किसानों के हित से संबंधित जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अमरवाड़ा अनविभागीय अधिकारी राजस्व हेमकरण धुर्वे, क्षेत्रीय प्रबंधक कुमार उत्कर्ष, अग्रणी बैंक प्रबंधक अजय कुमार, आरसेटी डायरेक्टर अरविंद जी, शाखा प्रबंधक अर्चना गुजरे सहित सेंट्रल बैंक स्टाफ एवं वीसी उपस्थित थे।

टैंकर की संख्या बढ़ाने व जल्द प्याऊ खोलने की मांग

परासिया। विधानसभा क्षेत्र के नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने कहा की 50 हजार की जनसंख्या से अधिक वाला शहर है जो एक टेंकर के भरोसे है लगातार भीषण गर्मी बढती जा रही है और जहां जनता पानी के लिए त्राहि-त्राहि

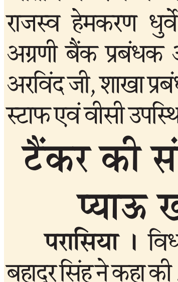

कर रही है वहां एक टेंकर के भरोसे शहर में पानी सप्लाई हो रहा है आयोजन के लिए धार्मिक हो या किसी के कोइ आयोजन कार्यक्रम में सुबह मांगों शाम को बड़ी मुश्किल से पानी पहुंचाया जाता है वहां वाडों में हफ्तों में एक बार नल आ रहे हैं जरुरत पड़ने पर टेंकर एक होने के करण पानी नहीं पहुंच पा रहा है वहीं शहर में आज तक प्याऊ नहीं खुले आमजन परेशान हो रहे हैं आमजनों को होटलों में पानी पीने के लिये जाना पड़ता है जहां होटल वाले उन्हें खानें के लिए कहते हैं जिससे शहर के एवं दूरदराज से आने वाले लोगों भारी परेशानी हो रही तो परासिया नेताप्रतिपक्ष वीर बहादुर सिंह ने इस समस्या का समाधान करने के लिये उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं एसडीएम को पत्र लिखा जिसमें टेंकर की संख्या बढ़ाने और जल्द से जल्द प्याऊ खोला जाने की मांग की है ताकि आमजनों को प्याऊ खोलने से पीने का पानी मिल सके।

पांढुर्णा जिले के 3 मरीजों के उपचार के लिए दी सहायता राशि

छिन्दवाड़ा। म.प्र.शासन द्वारा मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीमारी से पीड़ित पांढुर्णा जिले के 3 मरीजों के उपचार के लिये आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। स्वीकृति के अनुरूप राशि का भुगतान संबंधित संस्था/ हितग्राहियों के बैंक खातों में किया गया है। पांढुर्णा कलेक्टर अजय देव शर्मा ने बताया कि बीमारी से पीड़ित पांढुर्णा जिले के 3 आवेदनों में कुल 01 लाख 50 हजार रूपये आर्थिक सहायता राशि जारी की गई है। विकासखंड परासिया के ग्राम कुण्डालीकला के जय प्रकाश आटगंडे के आवेदन पर मरीज चिन्तामन पिता भगवान गायकवाड निवासी ग्राम बेरडी तहसील सौंसर के उपचार के लिये चिखाले मल्टीस्पेशलिटी एंड केन्सर हॉस्पीटल ध्यानेश्वर नगर सीमेंट रोड नागपुर को 75000 रूपये की राशि स्वीकृत की।

माचागोरा डैम के गेट बंद कर पानी रोका जाए

गुलाबी गैंग ने सौंपा प्रशासन को ज्ञापन, सिवनी जलसंसाधन विभाग की लापरवाही छिंदवाड़ा की जनता क्यों भुगतेगी

छिंदवाड़ा। माचागोरा जलाशय के खोले गये गेट, जलाशय का स्तर लगातार कम होता देखने के बावजूद भी अन्य जिले सिवनी में स्थित संजय सरोवर (भीमगढ़ जलाशय) में पानी दिया गया गांव जलाकर शहर बसाने जैसा अन्यायपूर्ण कार्य छिंदवाड़ा व चौरई की जनता के साथ किया गया। झूठी वाह-वाही लूटने के लिये सैंकड़ों लोगों का जीवन दांव पर लगा दिया है। गुलाबी गैंग की पूर्णिमा वर्मा ने कहा कि शासन प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जमुनिया माइक्रो एरिगेशन से जिले के 27 गांव सिंचित होना है, यह कार्य आज भी पूरा नहीं हुआ है। पेंच माइक्रो 1 से 30 गांव सिंचित होना है किन्तु आज दिनांक तक यह कार्य भी पूर्ण नहीं हुआ जिसके चलते इन क्षेत्र के किसानों को परियोजना के लाभ से वंचित होना पड़ा। पेंच माईक्रो 2 का कार्य गतिहीन है जिसके चलते छिंदवाड़ा के अधिकांश ग्रामीण इलाके लाभांवित होने से वचित हैं। सांसद, मुख्यमंत्री वोट लेकर अपने ही वादे भूल गये, सांसद व मुख्यमंत्री ने डूब प्रभावितों को चार गुना मुआवजा दिलवाने की घोषणा की थी पर आज दिनांक तक मुख्यमंत्री व सांसद ने अपने किये वादों की सुध नहीं ली बल्कि छिंदवाड़ा जिला इस दुर्भाग्य से जूझ रहा है जब तक चौरई क्षेत्र और छिंदवाड़ा जिले की पेयजल की समस्या का निराकरण नहीं हो जाता, चौरई क्षेत्र में पेयजल के स्थायी स्त्रोत स्थापित नहीं हो पाते, नहर व पाईप से ग्रामीणों को पर्याप्त जल नहीं दे दिया जाता तब तक छोड़े गये पानी को पुनः कुछ समय के लिये गेट बंद किया जाना चाहिये।

चौरई क्षेत्र के 32 गांव पानी की समस्या से जूझ रहे

सिवनी जल संसाधन विभाग की लापरवाही का खामियाजा छिंदवाड़ा की जनता क्यों भुगतेगी, चौरई क्षेत्र में स्थायी जल स्त्रोत आज तक नहीं बनाये गये, कुछ अधूरे है तो कहीं अभी तक पानी नहीं पहुँच पाया, अब तक कुण्डा से लगे 32 गांव आज भी पानी की भीषण समस्या से जूझ रहें हैं। चौरई में हर एक दिन की आड़ में या 2 दिन में पानी दिया जा रहा है, माचागोरा जलाशय से 711 गांवों में पेयजल की आपूर्ति की जानी है साथ ही निश्चित मात्रा का पानी संकट काल के लिये भी रखा जाना चाहिये वह भी माचागोरा जलाशय में रखा जाये।

गेट बंद नहीं हुए तो उग्र आंदोलन होगा

गुलाबी गैंग की प्रमुख पूर्णिमा वर्मा ने कहा कि वर्तमान में लगातार माचागोरा का जो जल स्तर घट रहा है, निश्चित रूप से 15 से 20 दिनों में चौरई क्षेत्र के साथ-साथ छिंदवाड़ा भी भीषण जल संकट की चपेट में होगा जो कि निश्चित रूप से चिंता का विषय है। गुलाबी गैंग ने चौरई व छिंदवाड़ा जिले की आवाम के साथ मध्यप्रदेश सरकार को आग्रह करती है कि चौरई की पेयजल की गंभीर समस्या को ध्यान में रखकर पुनः खोले गये जलाशय के गेट बंद किये जायें, पर्याप्त जल स्त्रोत होने पर ही निकट के जिले सिवनी को आवंटित किया जाये अन्यथा चौरई, छिंदवाड़ा में उग्र आंदोलन किया जायेगा जिसकी संपूर्ण जबावदारी मध्यप्रदेश सरकार और शासन-प्रशासन की होगी।

कांग्रेस ने बाबा साहब एवं संविधान का किया अपमानः बंटी साहू

डॉ. आंबेडकर सम्मान समारोह में के कार्यक्रम में शामिल हुए सांसद

छिंदवाड़ा। कांग्रेस के शासन काल में संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर द्वारा बनाये गए संविधान का अपमान किया, आपातकाल के दौरान इंदिरा गांधी ने मौलिक अधिकारों को कुचल दिया था। और संविधान को तानाशाही की ओर मोड़ दिया था। जुलाई 1975 में 38वां संविधान संशोधन लाया गया था इस संशोधन के जरिये इंदिरा गांधी ने यह सुनिश्चित किया कि जनता और न्यायपालिका को उनके तानाशाही फैसले को पलटने का कोई रास्ता न मिले। यह बात जबलपुर में आयोजित बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद बंटी विवेक साहू ने कही। इस अवसर पर कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ.महेन्द्र सिंह, सांसद जबलपुर आशीष दुबे, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मिकी, भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडे, अखिलेश जैन, रिंकू विज,पंकज दुबे, रजनीश यादव, शिवा चौधरी सहित अन्य अतिथिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा की डीएसपी प्रियंका पांडे सहित तीन और प्रदेश के 56 पुलिस कर्मियों को मिला DGCR मेडल

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी नवीन आदेश के तहत छिंदवाड़ा जिले में पदस्थ महिला सेल की डीएसपी *प्रियंका पांडे* को *डीजीसीआर (Director GeneralÓs Commendation Roll) मेडल* से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें सात जटिल एवं अंशुलझे मामलों को सफलता पूर्वक सुलझाने और अपराधियों को सजा दिलाने में उनके साहसिक व न्यायोचित योगदान के लिए प्रदान किया गया है।पूर्व में सिंगरौली जिले में पदस्थ डीएसपी पांडे ने महिला अपराधों की गंभीर विवेचना करते हुए सात मामलों में दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके इस उल्लेखनीय कार्य को मान्यता देते हुए पुलिस मुख्यालय ने उन्हें डीजीसीआर मेडल से नवाजा है।इसी क्रम में छिंदवाड़ा जिले के दो अन्य पुलिस अधिकारियों, प्रधान आरक्षक कृष्ण कुमार कपाले (क्र. 248) एवं प्रधान आरक्षक चालक गौरी शंकर बेलवंशी (क्र. 55)* को भी डीजीसीआर मेडल से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार पुलिस सेवा में उत्कृष्ट कार्य एवं सराहनीय सेवाओं के लिए दिया गया है। मध्य प्रदेश पुलिस विभाग ने इन अधिकारियों की प्रतिबद्धता, निष्ठा एवं उत्कृष्ट सेवा पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके अथक परिश्रम और योगदान का प्रतीक है, जो समाज में न्याय और सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित होता है।

सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक...

निर्माण कार्यों में विलंब हो रहा है उन्हें शीघ्रता से पूर्ण करें:कलेक्टर

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर कार्यालय के मिनी सभाकक्ष में कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेतु विभाग और मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कार्यवार प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन निर्माण

कार्यों में विलंब हो रहा है, उन्हें शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जो ठेकेदार समय पर काम पूरा नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए। पुल निर्माण कार्यों की विशेष समीक्षा करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पूर्व पुलों पर आवागमन सुचारु रूप से प्रारंभ हो, इसके लिए निर्माण कार्य में तेज़ी लाई जाए।

जल संरक्षण की भी दिलाई गई शपथ

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद अमरवाड़ा द्वारा बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पखवाड़े पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम जनपद पंचायत अमरवाड़ा के सभाकक्ष में सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत अमरवाड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयदेव शर्मा द्वारा अम्बेडकर जी के जीवन चरित्र पर विस्तार से व्याख्यान दिया गया।

साईखेड़ा में नरवाई प्रबंधन कार्यशाला

छिन्दवाड़ा। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मध्यप्रदेश द्वारा संचालित नरवाई प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत पांढुर्णा कलेक्टर श्री अजय देव शर्मा के निर्देशानुसार उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास छिंदवाड़ा के मार्गदर्शन में आज जी.एच. रायसोनी यूनिवर्सिटी साईखेड़ा सौंसर में कृषि अभियांत्रिकी तथा एसएडीओ सौंसर कार्यालय द्वारा नरवाई प्रबंधन कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सहायक कृषि यंत्री श्री समीर कुमार पटेल द्वारा नरवाई प्रबंधन के विभिन्न आयामों को लेकर प्रजेन्टेशन दिया गया, इसके लाभों से एवं भूमि पर्यावरण संरक्षण व उत्पादन वृध्दि के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में विश्वविद्यालय में उपस्थित प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों द्वारा नरवाई न जलाने एवं कृषकों में इसके प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार करने के लिये शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में विभागीय कृषि विस्तार अधिकारी व विश्वविद्यालय प्रबंधक उपस्थित थे।

कांग्रेस सेवादल ने की ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने की मांग

छिन्दवाड़ा। भीषण गर्मी में दिन प्रतिदिन बढ़ते तापमान में बच्चों का स्कूल लगना उनकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। पालक व परिजन भी गर्मी के मद्देनजर बच्चों को विद्यालय भेजने से कतरा रहे हैं, किन्तु स्कूलों की छुट्टी घोषित नहीं होने के कारण उन्हें मजबूरन स्कूल भेजना पड़ रहा है। कांग्रेस सेवादल ने बढ़ते तापमान को देखते हुए स्कूलों में अवकाश घोषित करने की मांग जिला कलेक्टर से की है। कांग्रेस सेवादल जिला अध्यक्ष सुरेश कपाले ने कहा कि वर्तमान में जिले में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। तापमान लगभग 40 से 41 डिग्री पहुंच चुका। इन परिस्थितियों में भी नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा के स्कूल संचालित हो रहे हैं। नन्हें बच्चे गर्मी के थपेड़ों का सामना करने को मजबूर है। पालक व परिजनों को उनके स्वास्थ्य को चिंतित है। लू लगने के कारण बच्चे बीमार हो रहे। लेकिन प्रशासन आंख मूंदकर सारी घटनाओं को देख रहा। किन्तु कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे। जिला शिक्षा अधिकारी का भी इस ओर कोई ध्यान नहीं हैं। कांग्रेस सेवादल ने जिला कलेक्टर व जिला शिक्षा अधिकारी से अविलम्ब स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित करने की मांग की है।

अमरवाड़ा नगर कांग्रेस ने किया बेसिक स्कूल में दुकान बनाने का विरोध

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर की धरोहर शासकीय सीनियर बेसिक शाला में मेन रोड अमरवाड़ा में स्कूल की जगह पर स्कूल के सामने नगर पालिका द्वारा दुकान बनाए जाने को लेकर लेआउट डाला जा रहा था जिसको लेकर नगर कांग्रेस कमेटी अमरवाड़ा ने एवं अमरवाड़ा नगर के नागरिक बंधुओ ने इसका विरोध किया और जानकारी ली गई की शिक्षा विभाग की कोई सहमति है क्या तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया गया उन्होंने बताया कि हमारी कोई सहमति नहीं है उसके बावजूद भी नगर पालिका वहां दुकान निर्माण करने जा रही है बेसिक स्कूल जोकि 100 से 150 साल पुराना स्कूल है जिसमें अमरवाड़ा नगर के हर एक नागरिकों की भावनाएं एवं यादें वहां से जुड़ी हुई है आज भी अच्छी तादाद में वहां छात्र-छात्राएं अध्यनरत हैं उसके बावजूद भी नगर पालिका स्कूल की जगह पर दुकान निर्माण करके व्यवसायिक करण करना चाहती हैं अत: सभी ने निवेदन किया कि वहां दुकान ना बनाई जाए और वहां छात्र-छात्राओं के भविष्य को देखते हुए स्कूल का विस्तार किया जाए जिसको लेकर अनुविभागी अधिकारी महोदय को ज्ञापन सौपा गया जिसमें उपस्थित रहे कांग्रेस अध्यक्ष शैलेंद्र जैन वरिष्ठ कांग्रेस नेता सरजू दास वैष्णव गणेश मालवीय महिला कांग्रेस की ब्लॉक अध्यक्ष गीता विश्वकर्मा नगर अध्यक्ष सुशील मारफै सेवा दल प्रभारी सुमित जैन युवक कांग्रेस अध्यक्ष भूपेंद्र पटेल महामंत्री रज्जू साहू पार्षद राजेश अहिरवार कैलाश मालवीय कार्यवाहक अध्यक्ष राजू उइके सुनील उईके जनपद सदस्य मंत्र लाल परतेती पंकज शर्मा सुखदेव वर्मा अशोक मालवीय श्याम यादव सुरेश विश्वकर्मा जितेंद्र योगी सोनू जोगी अंकित सोनी शेख अफजल भाई नरेश परतेती आदि नगर कांग्रेस कमेटी के साथी एवं नगर की जनता मौजूद रही और ज्ञापन दिया।

अक्षय तृतीया बाल विवाह पर विशेष जागरूकता अभियान

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान रथ को कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाई

छिन्दवाड़ा। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान रथ का कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास डॉ.हेमंत छेकर, बाल संरक्षण अधिकारी श्री चंद्रशेखर नागेश, बाल कल्याण समिति के सदस्य श्रीमती अंजना पवार, श्रीमती रजनी स्वामी, श्रीमती क्षिप्रा गुप्ता, विशेष पुलिस इकाई से श्री सोनी, श्री बघेल, जिला महिला बाल विकास कार्यालय के कर्मचारी व समेकित बाल संरक्षण योजना के कर्मचारी उपस्थित उपस्थित थे। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास डॉ.छेकर ने बताया कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान रथ के द्वारा ग्राम- सिवनी प्राणमोती, कुसमेली, बोरिया एवं छिंदवाड़ा शहर के अन्य गांव पर बाल विवाह जागरूकता अभियान को लेकर भ्रमण किया गया। आयोजक एक्सेस टू जस्टिस परियोजना के सहयोग से प्रदीपन संस्था जिला छिंदवाड़ा के जिला कोऑर्डिनेटर श्री रामनाथ उइके, जिला परामर्शदाता रंजीता कश्यप एवं मनोज उइके, धीरेन्द्र कुमरे, मनोज इनवाती, रेखा मरावी, कमलाकर धुर्वे, रामेती डेहरिया, प्रमिला बंसल द्वारा किया गया।

अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी छिन्दवाड़ा ने...

पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की निंदा कर ज्ञापन सौंपा

छिन्दवाड़ा। अंजुमन सदर जनाब अमसाल खान साहब, अंजुमन वर्किंग कमेटी के ओहदेदार, छिन्दवाड़ा अंजुमन की मस्जिदों के पेश इमाम और मुस्लिम समाज के मोअज्जिज हजरात की मौजूदगी में जिला कलेक्ट्रेड कार्यलय छिन्दवाड़ा पहुंचकर कलेक्टर को राष्ट्रपति के नाम से पहलगाम की बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की घोर निंदा बावत् ज्ञापन सौंपा गया। 22 अप्रैल को कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमला बहुत ही निन्दिनीय हैं और इस हमले में शहीद हुए लोगों के परिवार के प्रति अंजुमन कमेटी छिन्दवाड़ा ने संवेदना व्यक्त की है और छिन्दवाड़ा के सभी मुस्लिम समाज के लोग अंजुमन इस्लाहुल मुस्लेमीन कमेटी छिन्दवाड़ा के माध्यम से राष्ट्रपति महोदया से मांग की हैं कि आतंकी हमले करने वाले आतंकियों पर कठोर से कठोर कार्यवाही की जाये ताकि आगे दोबारा ऐसी घटना घटित न हो सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान...

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामवासियों ने श्रमदान कर की जल स्त्रोतों की साफ-सफाई

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जिले के विकासखंड अमरवाड़ा की ग्राम पंचायत सिंगोड़ी के सुनार नाले पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज ग्रामवासियों के साथ जनसहयोग से एसडीएम अमरवाड़ा हेमकरण धुर्वे और सीईओ जनपद पंचायत अमरवाड़ा जयदेव शर्मा द्वारा स्वच्छता और गहरीकरण का कार्य प्रारंभ किया गया। इसी प्रकार विकासखंड अमरवाड़ा की ग्राम पंचायत मानेगांव में भी जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसमें नदी की सफाई का कार्य श्रमदान से कराया गया। इस दौरान ग्राम के पंच एवं वरिष्ठ नागरिक, सहायक सचिव उपस्थित थे।

ग्राम पंचायत बिनेकी में भी जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत आज स्टाप डेम की गाद निकालकर सफाई की गई, जिसमें ग्राम के सरपंच संतकुमार डेहरिया, पूर्व सरपंच दयाराम चंद्रवंशी, कमल चंद्रवंशी, सचिव एवं सहायक सचिव व ग्रामवासी की सहभागिता रही।जनपद पंचायत अमरवाड़ा की ग्राम पंचायत रिछेड़ा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत निस्तारी तालाब में जन सहयोग से सरपंच, उप सरपंच, पंच, सचिव, सहायक सचिव की उपस्थिति में साफ-सफाई एवं गहरीकरण कार्य प्रारंभ किया गया।इसी तरह नगर पालिका परिषद अमरवाड़ा द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-06 में स्थित कुंयें की सफाई का कार्य किया गया, जिसमे नगर पालिका अध्यक्ष, अनुविभागीय अधिकारी अमरवाड़ा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमरवाड़ा एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कुलबहरा नदी घाट की साफ-सफाई

कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार म.प्र.जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन व विकासखंड समन्वयक के कुशल मार्गदर्शन में नगर परिषद चांद में जल गंगा अभियान के अंतर्गत वार्ड क्रमांक-5 कुलबहरा नदी घाट की साफ-सफाई एवं शासकीय स्कूल में विद्यार्थियों को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही नगर में सार्वजनिक प्याऊ की व्यवस्था एवं जल के अपवाह को रोकने के लिए अभियान चलाया गया, जिसमें नगर परिषद चांद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधि और मुख्य नगर पालिका अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

ध्वनि प्रदूषण से हलकान आमजन, नहीं हो रहा न्यायलय के आदेशों का पालन

विनोद साहू बाड़ी। देश में आधुनिक क्रांति में आज मांगलिक कार्यक्रमों डीजे का चलन इतना बढ़ गया कि हर छोटे बड़े कार्यक्रमों में डीजे का होना उतना ही जरुरी हैं जितना भांवर के समय नाई पंडित जी का।

शादी विवाह धार्मिक शोभायात्रा हो डीजे बगैर अधुरी?शादी ब्याह का सीजन आरंभ होते ही नगर के मुख्य मार्गो से लेकर गली मोहल्लों और रिहायसी क्षेत्रों में डीजे का अनियंत्रित शोर शुरु हो गया। हाई फ्रेंक्वेंशी से असहनीय ध्वनि प्रदूषण फैलाते डीजे बेखौफ शोर मचा रहे हैं।

न्यायालय आदेश में डीजे की ध्वनि सीमा 75 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए, यह ध्वनि प्रदूषण (नियम) अधिनियम, 2000 के अनुसार है. यह सीमा उन क्षेत्रों में लागू होती है जहाँ आबादी रहती है, साथ ही व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्रों में भी अलग-अलग सीमाएं निर्धारित हैं. यदि डीजे इस सीमा से अधिक ध्वनि उत्पन्न करता है, तो यह ध्वनि प्रदूषण अधिनियम के उल्लंघन के रूप में माना जाएगा. लेकिन एक अनुमान के अनुसार नगर में 110 से 120 डेसीबल फ्रेंक्वेंशी के स्तर को भी पार कर जाता हैं, उच्चतम स्तर की ध्वनि तरंगों से जहां मकानों, दुकानों,में भूकंप के मानिंद कंपन हो रहा हैं वहीं हृदयरोग एवं उच्च रक्तचाप के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती हैं। बच्चों के हृदय पर उच्चतम ध्वनि तरंगों का प्रतिकूल प्रभाव तो पड़ता ही है साथ ही उनके कानों के पर्दे भी छति ग्रस्त होने की संभावनाएं बहुत बढ़ जाती हैं।

नगरिए सीमा क्षेत्र में मैरिज गार्डन सघन रिहायशी क्षेत्रों में संचालित हैं, इन मैरिज गार्डनों में होने वाले आयोजनों में देर रात तक डीजे और लाउडस्पीकर के शोर से रिहायशी क्षेत्र के रहवासी चैन से सो भी नहीं पा रहे हैं। रिहायशी क्षेत्रों में संचालित मैरिज गार्डनों में उपयोग किए जा रहे जनरेटरों की ध्वनि से उत्पन्न शोर भी रहवासी बेहद परेशान हैं।मध्यप्रदेश सरकार लागू कर चुकी कोलाहल पर प्रतिबंध। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पदभार ग्रहण के तत्काल बाद ध्वनि प्रदूषण पर रोक लगाने के उद्देश्य से मंदिर मस्जिद पर लगे लाउडस्पीकर हटाने के आदेश दिए थे। लेकिन ध्वनि प्रदूषण पर कोई असर नहीं हो रहा।

उच्चतम न्यायालय के आदेश जमीं पर लागू नहीं।उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित एक आदेश में ध्वनि प्रदूषण को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए ध्वनि प्रदूषण फ़ैलाने पर कड़ी कार्यवाही के दिए हैं।

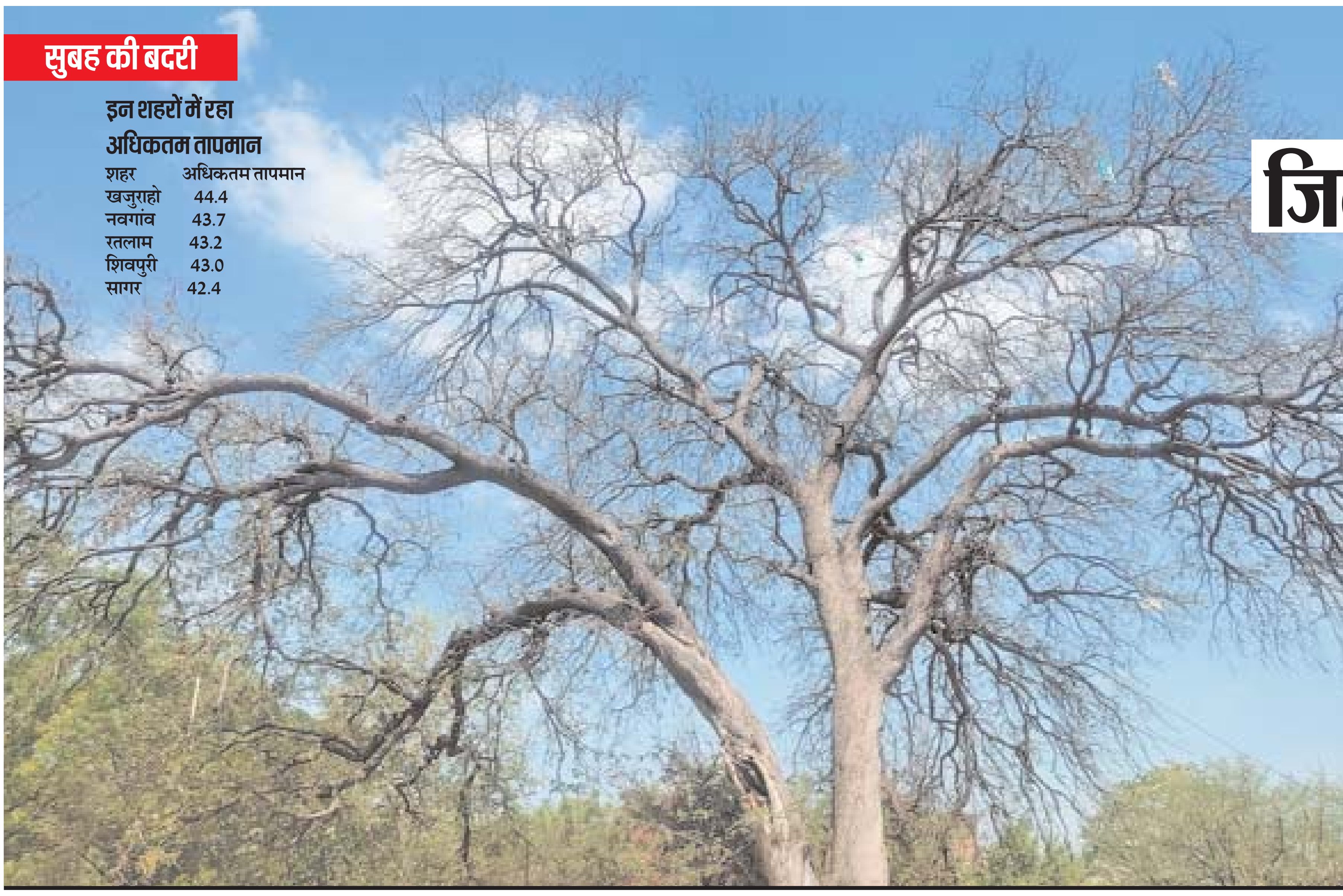

सुबह की बदरी

इन शहरों में रहा अधिकतम तापमान

शहर	अधिकतम तापमान
खजुराहो	44.4
नवगांव	43.7
रतलाम	43.2
शिवपुरी	43.0
सागर	42.4

कल से 2 दिन कुछ जिलों में होगी बारिश

आज प्रदेश के 15 जिलों में लू का अलर्ट

भोपाल। प्रदेश इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है। कई शहरों का तापमान 44 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया जा रहा है। तीखी धूप की वजह से सड़कें दोपहर में अब सूनी होने लगी हैं। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 15 से ज्यादा जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया है। वहीं मौसम विभाग ने 26 और 27 अप्रैल को छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट और सिवनी जिलों में बादल छाने, गरज-चमक और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। इससे पहले गुरुवार को खजुराहों सबसे गर्म रहा यहां का अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री दर्ज किया गया। आज ग्वालियर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, खंडवा, बुरहानपुर, पांढुर्णा, बालाघाट, उमरिया, सतना, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, भिंड, श्योपुर और मुरैना में लू का अलर्ट है। बाकी जिलों में भी गर्म हवा चलेगी।

खजुराहो सबसे गर्म रहा

गुरुवार को खजुराहो सबसे गर्म रहा यहां का अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री दर्ज किया गया। रतलाम में 43.2 डिग्री और शिवपुरी में 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह नरसिंहपुर में 42.8 डिग्री, मंडला में 42.5 डिग्री, छिंदवाड़ा, सतना, टीकमगढ़-दमोह में 42.4 डिग्री, मलाजखंड में 42.3 डिग्री, नर्मदापुरम में 42.2 डिग्री, धार में 42 डिग्री, गुना में 41.9 डिग्री, शाजापुर में 41.8 डिग्री, सागर में 41.7 डिग्री, खंडवा में 41.5 डिग्री, खरगोन-रायसेन में 41.4 डिग्री, उमरिया, सीधी-बैतूल में 41.2 डिग्री और रीवा में पारा 41 डिग्री रहा।

बारिश और तेज गर्मी का दौर रहेगा

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि अगले चार दिन तक प्रदेश में कहीं तेज लू का असर रहेगा तो कहीं हल्की बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। इसके बाद पूरे प्रदेश में गर्मी का असर रहेगा। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) और ट्रफ की वजह से मौसम बदलेगा।

ज्वलंत एवं सामयिक समस्या आत्महत्या पर मनो चिकित्सकों का राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

भोपाल। इस वर्ष इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट साइकाइट्रिक के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भोपाल में 26-27 अप्रैल को हो रहा है। आयोजन समिति के चेयरमैन और प्रसिद्ध मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. आर. एन .साहू ने बताया कि नेशनल मिड टर्म सीएमई प्रोग्राम के अंतर्गत समाज और देश की ज्वलंत एवं सामयिक समस्या बन चुकी आत्महत्या प्रवृति को लेकर देश के जाने माने मनो चिकित्सक अपने विचार व्यक्त करेंगे। नेशनल मिड टर्म सीएमई में देश

के जाने-माने मनोरोग विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही विदेश से भी मानसिक रोग विशेषज्ञ भी इसमें सम्मिलित होंगे। डॉ . आर. एन. साहू के अनुसार आजकल आत्महत्या की प्रवृत्ति बहुत ज्यादा लोगों में बढ़ती जा रही है, जो सभी उम्र के लोगों में पाई जाती है। यह भी उल्लेख़नीय है कि 14 से 24 साल के युवाओं में यह समस्या बहुत तेजी से बढ़ी है और मौत का तीसरा कारण बन गई है। इस समस्या की रोकथाम एवं इसके कारण को जानने और भविष्य के लिए ऐसा कार्यक्रम बनना चाहिए, जिससे हम बच्चों को इस आत्मघाती कदम से बचा सके। साथ ही समाज को और स्वस्थ बना सके। यह एक बहुत ही सामायिक और ज्वलंत विषय है। जिसके लिए हमें सभी को मिलजुल कर कार्य करना होगा। जैसा कि सब जानते हैं कि पूरे विश्व में 72 000 लोग हर साल सुसाइड करते हैं। हर दसवें सेकंड में एक व्यक्ति सुसाइड करता है। 15 से 29 साल की उम्र में मौत का यह नंबर तीसरा कारण बन गया है। यह भी बताना उचित होगा कि 73 प्रतिशत सुसाइड उन देशों के लोग करते हैं जो कि लोअर और मिडिल इनकम ग्रुप के देश है।

जुमा की नमाज के बाद आतंकवाद के खिलाफ प्रदर्शन, काली पट्टी बांधकर जताएंगे विरोध

भोपाल। जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देशभर में आक्रोश और शोक की लहर फैल गई है। इस हमले में कई निर्दोष पर्यटक मारे गए, जिनमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल थे, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। पूरे देश ने इस हमले

को इंसानियत पर हमला बताया है। इसको लेकर शुक्रवार को राजधानी के इमामी गेट चौराहे पर दोपहर 2 से 3 बजे के बीच पहलगाम में हाल ही में हुई आतंकवादी घटना के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। इसके पहले बीती रात श्रद्धांजलि सभा की गई थी। प्रदर्शनकारी काली पट्टी बांधकर आतंकवाद का पुतला दहन करेंगे। सोशल एक्टिविस्ट अनवर पठान एवं उनके साथियों ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से अपील की है कि वे बड़ी संख्या में उपस्थित होकर देशभक्ति का परिचय दें और आतंक के विरुद्ध एकजुटता दिखाएं। इसके अलावा, शहर के कई मुस्लिम युवक जुमे की नमाज़ के दौरान हाथों पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराएंगे। मसाजिद कमेटी के अंतर्गत आने वाले दारुल क़ज़ा और दारुल इफ्ता ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह घटना पूरी मानवता को शर्मसार करने वाली है। उन्होंने मुस्लिम समाज की ओर से शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री से मांग की कि हमले में शामिल आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही स्थानीय नागरिकों से सतर्क रहने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने

नरवाई की आग में पत्नी के सामने जिंदा जला किसान, लकड़ी के नीचे फंसा था

भोपाल। सागर के बीना में गुरुवार रात को एक किसान नरवाई की आग में जिंदा जल गया। किसान की पत्नी भी मौके पर थी। पत्नी के अनुसार बाल्टी से आग पर पानी डाला, लेकिन बुझी नहीं। पति की मौत हो गई। दरअसल, किसान खेत के पास रखी लकड़ी के ढेर को हटाने की कोशिश में गिर गया और सारी लड़कियां उसके ऊपर आ गईं। इसके बाद वह खेत में लगी आग की चपेट में आ गया। यह घटना ग्राम हींगटी की है। किसान राजेंद्र अहिरवार (45) खेत के पास बनी झोपड़ी में पत्नी और बेटे के साथ रहता था। पत्नी छोटी बाई का कहना है कि 5 एकड़ खेत में पति ने आग लगाई थी। लकड़ी के ढेर में वो फंस गए। बाल्टी से आग पर पानी डाला, लेकिन बुझी नहीं। पति की मौत हो गई। पुलिस ने शव को

बीना अस्पताल भिजवाया, जहां पोस्टमार्टम किया जाएगा। पुलिस जांच कर रही है। हादसे के बाद से राजेंद्र की पत्नी और बेटा सदमे में हैं।

सागर में नरवाई जलाने 603 मामले सामने आए- सागर जिले में नरवाई जलाने के मामले में किसानों ने दो साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। इस बार अभी तक नरवाई जलाने के 603 मामले सामने आए हैं, जो पिछले साल की तुलना में 177 ज्यादा हैं। पिछले 15 दिन में ही जिले में नरवाई जलाने पर 40 किसानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

बाजार से लौटा तो पिता का शव मिला

मृतक के बेटे राजकुमार अहिरवार ने बताया, रात करीब 8 बजे पिता ने कहा था कि मुर्गा खाना है। दारू पीनी है। मैं बाजार से मुर्गा और शराब लाने के लिए चला गया। देर रात लौटा तो घटना का पता चला। ये पता नहीं है कि आग पिता ने लगाई या मां ने। परिवार में ताऊ का निधन हो गया है। उनका बेटा है। गांव के कोटवार प्रकाश राय ने बताया, किसान के बेटे ने रात को फोन कर घटना की जानकारी दी। मैंने पटवारी विमल भदौरिया को कॉल किया। जब पटवारी मौके पर पहुंचा तो बेटा बेसुध पड़ा था। किसान की पत्नी रोए जा रही थी। किसान राजेन्द्र जिस जमीन पर खेती करता था, वह सरकारी भूमि है। इस पर उसका कब्जा है। हाल ही में किसान ने हार्वेस्टर से गेहूं की कटाई कराई थी। टीआई अनूप यादव मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

NEET पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया गिरफ्तार, आधी रात को STF ने दबोचा

पटना। NEET पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया उर्फ लूटन को बिहार के पटना से गिरफ्तार कर लिया गया है। सॉल्वर गैंग का सरगना संजीव मुखिया को बिहार STF ने पटना से आधी रात गिरफ्तार किया है। 5 मई 2024 को हुए नीट पेपर लीक के बाद से वह फरार चल रहा था।

STF को गुप्त सूचना मिली थी कि पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया दानापुर थाना क्षेत्र के सगुना मोड़ स्थित एक अपार्टमेंट में आने वाला है। जिसके बाद आपरेशन को अंजाम दिया गया। 11 महीने के बाद वह अब स्ञ्सन्न की गिरफ्त में है।

बता दें कि NEET पेपर लीक मामले में पहले भी कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। पुलिस इसके मास्टरमाइंड को लंबे समय से ढूंढ रही थी। संजीव मुखिया को NEET पेपर लीक मामले में अहम कड़ी माना जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के बाद इस मामले में कई और राज से पर्दा उठ सकता है और अन्य लोगों की भी गिरफ्तारी हो सकती है।

DSP उमाकांत चौधरी को उत्कृष्ट सेवा पदक 2024 से नवाज़ा गया, अनुकरणीय सेवाओं के लिए किया गया सम्मानित

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी छ्ृस्क्क उमाकांत चौधरी को उनकी 25 वर्षों से अधिक की अनुकरणीय, ईमानदार और समर्पित सेवा के लिए ÷उत्कृष्ट सेवा पदक 2024÷ से नवाज़ा गया है। यह सम्मान उनके कर्तव्यनिष्ठ व्यवहार, सराहनीय नेतृत्व और समाज-सेवा में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया हैं।

उमाकांत चौधरी ने अपने करियर की शुरुआत से ही पुलिस सेवा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का कार्य किया। बुरहानपुर को जिला घोषित किए जाने के समय उन्होंने वहाँ की कानून-व्यवस्था को मज़बूती से स्थापित किया। यह कार्य प्रशासनिक दृष्टि से एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक निभाया।

नक्सल क्षेत्र में बहादुरी से दी सेवा- वर्ष 2005 में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सेवा करते हुए उमाकांत चौधरी ने साहस और रणनीतिक कुशलता का परिचय दिया। उनके योगदान को मान्यता देते हुए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने उन्हें ÷इंटरनल सिक्योरिटी मेडल 2007÷ से सम्मानित किया, जो उनके अद्भुत समर्पण और बहादुरी का परिचायक है।

प्रमुख आयोजनों में निभाई अहम भूमिका- 2015 में छ्स्क्कपद पर पदोन्नत होने के बाद उन्होंने कई बड़े राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय आयोजनों की सफलता में अपना योगदान दिया। इनमें सिंहस्थ 2016, लोकसभा व विधानसभा चुनाव (2018, 2019, 2023, 2024) जैसे आयोजन प्रमुख हैं, जहाँ उन्होंने कानून व्यवस्था की ज़िम्मेदारी बखूबी निभाई। उनके नेतृत्व में आपातकालीन सेवाओं और अग्निशमन दल का संचालन भी प्रभावशाली रहा।

ट्रैफिक मैनेजमेंट में नवाचार के अग्रदूत- DSP ट्रैफिक के रूप में उन्होंने इंदौर जैसे महानगर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाने के लिए कई नवाचारी पहलें कीं। स्मार्ट ट्रैफिक मैनेजमेंट, पर्यावरण अनुकूल यातायात प्रणाली, और जनता की सहभागिता जैसे कार्यक्रमों ने यातायात संचालन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए। आधुनिक तकनीक के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियानों का कुशल उपयोग कर उन्होंने सड़क सुरक्षा और ट्रैफिक अनुशासन को नई दिशा दी।

पर्यटन और फिल्म क्षेत्र में भी उत्कृष्ट योगदान- उमाकांत चौधरी ने डिप्टी डायरेक्टर (फिल्म एवं पर्यटन) के रूप में भी अपनी प्रशासनिक दक्षता का प्रदर्शन किया। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश को फिल्म शूटिंग हब के रूप में विकसित किया गया, जिसके चलते राज्य को राष्ट्रपति द्वारा ÷मोस्ट फिल्म फ्रेंडली स्टेट÷ अवॉर्ड से नवाज़ा गया। उनके मार्गदर्शन में 100 से अधिक प्रभावशाली शूटिंग प्रोजेक्ट और कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए, जिससे पर्यटन और फिल्म इंडस्ट्री को नई ऊर्जा मिली।

DSP उमाकांत चौधरी की कार्यशैली, प्रशासनिक कौशल और जनहित में किये गए कार्य उन्हें एक आदर्श अधिकारी बनाते हैं। उत्कृष्ट सेवा पदक 2024 उनके सतत प्रयासों, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का प्रमाण है।

महापौर मालती राय ने पी एन टी चौराहा पर स्थित संत शिरोमणि सेन महाराज की 725वीं जन्म जयंती के अवसर पर माल्यार्पण किया इस अवसर विधायक भगवान सबनानी, जिला अध्यक्ष रविंद्र यति, पूर्व विधायक पी सी शर्मा, एम आई सी सदस्य जगदीश यादव, जोन अध्यक्ष आरती अनेजा एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

यूनियन कार्बाइड के आस पास की 42 प्रदूषित भूजल बस्तियो में पाइप लाइन से साफ पानी की व्यस्था, सीवेज और निकासी की समस्या को देखने, सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित समिति के सदस्यों की टीम आज सुबह आरिफ नगर टंकी से निरीक्षण किया।

टीकमगढ़ में ऑयल मिल में लगी आग, 7 दमकल गाड़ियों ने 4 घंटे में पाया काबू

भोपाल। प्रदेश के टीकमगढ़ शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के ढोंगा रोड स्थित मटोल साहू की ऑयल मिल में शुक्रवार को आग लग गई। गोदाम में बड़ी संख्या में तेल से भरे ड्रम और टीन रखे हुए थे। तेल में आग लगने से लपटें तेजी से फैल गईं। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर विवेक श्रोतिय और एसपी मनोहर मंडलोई मौके पर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि डेढ़ महीने के भीतर दूसरी बार तेल गोदाम में आग लगने की घटना सामने आई है। गणेश ऑयल मिल में सुबह 6.15 बजे आग लगी थी। 7 बजे तक पूरा प्रशासनिक हमला मौके पर पहुंच गया। तहसीलदार अरविंद यादव ने बताया कि सुबह 11.15 बजे तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। आग को बुझाने में करीब 4 घंटे का समय लगा। कलेक्टर और

एसपी ने जिले भर की दमकल टीमों को तुरंत मौके पर बुलाया। कोतवाली और देहात थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। आग बुझाने के लिए प्रशासन को गोदाम की दीवारों को तोड़ना पड़ा। गोदाम के आसपास लोगों के मकान भी बने हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले होली के दिन भी खाद्य तेल के गोदाम में भीषण आग लगी थी।

तेल से गोदाम के अंदर फैली आग- गणेश ऑयल के मालिक ऋषि साहू ने बताया कि रात में सब कुछ ठीक था। सुबह करीब 6.15 बजे मिल के कर्मचारियों ने चिल्लाकर आग लगने की जानकारी दी। उनका मकान बगल में ही है। उन्होंने तुरंत प्रशासन को सूचना दी। गोदाम के गेट खुलवाए। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की फिलहाल जानकारी नहीं है। माना जा रहा है कि तेल से गोदाम के अंदर आग फैली। साहू ने हादसे में करीब 50 लाख रुपए का नुकसान बताया है।

50 टन तेल का स्टॉक था

तहसीलदार ने बताया कि गोदाम में करीब 50 टन तेल का स्टॉक था। काफी तेल सुरक्षित तरीके से बाहर निकाल लिया गया। तहसीलदार का कहना है कि गोदाम में कच्चा माल, खाली डिब्बे और खाली बोरियों का बारदाना अलग-अलग जगह रखा था। जिससे आग पर काबू पाने में कम समय लगा। एसडीएम लोकेंद्र सिंह ने बताया कि आज सुबह जैसे ही ऑयल मिल में आग लगने की सूचना मिली तो तुरंत मौके पर पहुंचे। कलेक्टर और एसपी भी जानकारी लगते ही घटनास्थल पर पहुंच गए। नगर पालिका सीएमओ को तुरंत सूचना देकर आसपास की 7 दमकल टीमों को बुलाया गया। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। ज्यादातर तेल से भरे टीन और ड्रमों को सुरक्षित निकाला गया है। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।